मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शुक्रवार, 27 जून 2025

संवत 2082, आषाढ़ शुक्ल दो मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 293 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ अमर है बंकिम चंद्र चटोपाध्याय का गीत' वन्दे मातरम

सितारे जमीन पर के बाद रजनीकांत की फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान ◀◀ 6

लोहरदगा में डबल मर्डर से हड़कंप

घर के अलग-अलग कमरें में मिला दादी और पोते का शव

डायन- बिसाही के आरोप में हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

लोहरदगा: शुक्रवार की सुबह लोहरदगा में डबल मर्डर की घटना से हड़कंप मच गया। सदर थाना क्षेत्र के भक्सो गांव में 16 साल के युवक और उसकी दादी का शव घर में बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दिया है।

16 साल के रितेश उरांव की टागी से गला काटकर व और

उसकी दादी बरिया उरांव की गला दबाकर हत्या की गई है। शुक्रवार की सुबह दोनों के शव घर के अलग-अलग कमरें में बरामद किये गये। बताया जा रहा है कि जिस वक्त दोनों की हत्या की गई उस समय घर के अन्य सदस्य सो रहे थे । उन्हें इस हत्या की भनक तक नहीं लगी।

सदर थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए है और इस दोहरे हत्याकांड की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है, हत्या के कारणों का खुलासा जांच के बाद ही संभव होगा। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में इस्तेमाल किये गए हथियार बरामद कर लिया है। हत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है लेकिन इस डबल मर्डर को डायन बिसाही से जोड़कर देखा जा रहा है।

विमान में बम की अफवाह से दिल्ली एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप, क्रू मेंबर को मिला धमकी भरा पत्र

नई दिल्ली : दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर बम की धमकी से अफरातफरी मच गई। हालांकि, जांच के बाद अधिकारियों ने बताया कि यह झूठी खबर थी। बताया गया कि स्टाफ के एक कर्मचारी को सुबह करीब 4:42 बजे दिल्ली के टर्मिनल-3 पर एक विमान में बम की धमकी वाला एक कागज मिला। इसके बाद आनन-फानन में तलाशी ली गई, जिसके बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा ने इसे झूठी खबर बताया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, गुरुवार सुबह 4:42 बजे एक कॉल प्राप्त हुई थी, और उसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया। अभी इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

अहमदाबाद जगन्नाथ रथयात्रा में हाथी बेकाबू, मची अफरा- तफरी,दो घायल

17 हाथियों के ग्रुप में सबसे आगे चल रहा था, वन विभाग के अमले ने किया काबू

अहमदाबाद/पुरी : अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शुक्रवार सुबह 10 बजे एक हाथी बेकाबू हो गया। इसके बाद रथ यात्रा में भगदड़ सी मच गई। लोग इधर-उधर भागते दिखे। रथ यात्रा में 17 हाथियों के ग्रुप में सबसे आगे चल रहा था। वन विभाग के अमले ने काबू किया। फिलहाल रथ यात्रा से 3 हाथियों को हटा दिया गया है, जिसमें दो मादा हाथी और एक नर हाथी शामिल है। अब 17 में से 14 हाथी रथ यात्रा में शामिल होंगे। इन 3 हाथियों को अब रथ यात्रा में साथ नहीं ले जाया जाएगा। रथ यात्रा जमालपुर स्थित मंदिर से शुरू होकर शाम तक इसी मंदिर लौटेगी। अहमदाबाद में जगन्नाथ यात्रा सुबह 7 बजे शुरू हुई थी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पाहिंद विधि कर रथ यात्रा की शुरूआत की। भगवान को सुबह 5 से 6 बजे तक तीनों मूर्तियों को रथ पर बैठाया गया। इसमें रथ के आगे सोने की झाड़ू लगाई जाती है। रात तकरीबन 8:30 बजे भगवान वापस मंदिर लौटेंगे।

इससे पहले जगन्नाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई। गृह मंत्री अमित शाह और उनका परिवार भी शामिल हुआ। इस दौरान भगवान को खिचड़ी का भोग लगाया गया। वहीं पुरी में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ शाम को 4 बजे खींचे जाएंगे। उदयपुर में करीब 80 किलो चांदी के रथ में भगवान सवार होंगे। पुरी में भगवान 1 बजे रथ में बैठेंगे, 4 बजे रथ शुरू होगी: ओडिशा में दुनिया की सबसे बड़ी रथ यात्रा होती है। सुबह 6 बजे भगवान जगन्नाथ की मंगला आरती के बाद श्रृंगार किया गया। फिर खिचड़ी भोग लगा। दैनिक पूजा-परंपराओं के बाद सुबह 9:30 बजे भगवान मंदिर से बाहर लाने की विधियां शुरू हो गई। रथों की पूजा कर बलभद्र, बहन सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को रथ में बैठाया जाएगा। दोपहर 3 बजे पुरी राजपरिवार के गजपति दिव्य सिंह देव रथ के आगे सोने के झाड़ू से बुहारा लगाकर रथ यात्रा की शुरूआत करेंगे। इसमें भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ करीब 3 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर जाते हैं। ये उनकी मौसी का घर माना जाता है।

सीएम के काफिले की 19 गाड़ियों में डीजल की जगह भर दिया पानी, प्रशासन में हड़कंप, पेट्रोल पंप सील

भोपाल : मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में एमपी राइज 2025 रीजनल कॉन्क्लेव में शामिल होने आ रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले की गाड़ियों में डीजल की जगह पानी भरे जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यह घटना गुरुवार देर रात ढोसी गांव स्थित भारत पेट्रोलियम के शक्ति फ्यूल्स पेट्रोल पंप पर घटी। इंदौर से सीएम काफिले के लिए बुलाई गईं करीब 19 इनोवा गाड़ियां जब डीजल भरवाने के लिए इस पेट्रोल पंप पर पहुंचीं, तो वहां से ईंधन भरने के कुछ ही देर बाद वे एक-एक कर बंद हो गईं। वाहन चालकों ने तत्काल पेट्रोल पंप पर शिकायत की और प्रशासन को सूचित किया।

गाड़ियों के साथ-साथ एक ट्रक चालक ने भी शिकायत दर्ज कराई कि उसने 200 लीटर डीजल भरवाया था, लेकिन वाहन थोड़ी ही दूरी पर जाकर बंद हो गया। इससे अंदेशा है कि यह लापरवाही केवल सीएम काफिले की गाड़ियों तक सीमित नहीं थी।

सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय, खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी आनंद गोरे और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान सभी वाहनों के डीजल टैंक खाली करवाए गए, जिनमें से बड़े पैमाने पर पानी निकला। एक वाहन में जहां 20 लीटर डीजल डलवाया गया था, उसमें से करीब 10 लीटर पानी निकला। अन्य वाहनों में भी यही स्थिति देखने को मिली। इस घटना के बाद प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से पेट्रोल पंप को सील कर दिया है। मौके पर भारत पेट्रोलियम के क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीधर भी पहुंचे। प्रारंभिक पूछताछ में पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने बारिश के कारण टैंक में पानी के रिसाव की बात कही, हालांकि प्रशासन इसे गंभीर चूक मानते हुए जांच में जुट गया है।

गाड़ियों के साथ-साथ एक ट्रक चालक ने भी शिकायत दर्ज कराई कि उसने 200 लीटर डीजल भरवाया था, लेकिन वाहन थोड़ी ही दूरी पर जाकर बंद हो गया। इससे अंदेशा है कि यह लापरवाही केवल सीएम काफिले की गाड़ियों तक सीमित नहीं थी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल इंदौर से वैकल्पिक गाड़ियों का इंतजाम किया, जिससे सीएम की सुरक्षा और कार्यक्रम में शामिल होने की योजना प्रभावित न हो। घटना ने पेट्रोल पंपों की ईंधन गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री के काफिले से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताई जा रही है। प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है, और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही है।

अमरनाथ यात्रा पर मंडरा रहा आतंकी हमले का खतरा

उधमपुर में जैश का एक आतंकवादी ढेर, तीन को घेरा

उधमपुर : जम्मू-कश्मीर के जिला उधमपुर के दूरदराज व पहाड़ी क्षेत्र बसंतगढ़ के घने जंगलों में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया, जो समूह का सरगना बताया जा रहा है, जबकि तीन आतंकी अभी भी घेरे में हैं। मारे गए आतंकी और उसके साथियों के पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े होने की पुष्टि हुई है।

इन आतंकियों के पास अत्याधुनिक एम-4 कार्बाइन जैसे हथियार हैं। मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, ऑपरेशन को ऑपरेशन बिहाली नाम दिया गया है और यह सेना की व्हाइट नाइट कोर और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई है। खुफिया जानकारी के आधार पर गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों ने बसंतगढ़ के बिहाली जंगलों में तलाशी अभियान शुरू किया। सुबह करीब साढ़े आठ बजे आतंकियों के साथ आमना-सामना होने पर दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई।

सुरक्षा बलों का कहना है कि घेरे में अभी तीन आतंकी फंसे हुए हैं, जिनके मारे जाने की संभावना है। आतंकियों के भागने के सभी रास्तों को बंद करने के लिए विभिन्न दिशाओं से अतिरिक्त सुरक्षाबल भेजे गए हैं।

अभियान के दौरान पहाड़ी क्षेत्र में घनी धुंध और वर्षा के कारण कुछ बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं, लेकिन सुरक्षाबल पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ कार्रवाई को आगे बढ़ा रहे हैं।

यह अभियान आगामी अमरनाथ यात्रा (जो तीन जुलाई से शुरू हो रही है) के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता मानी जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

झारखंड जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन प्रदेश कोर कमेटी की बैठक संपन्न

मुरी: झारखंड जनलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की प्रदेश कोर कमेटी की बैठक वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में चाईबासा परिसदन में संपन्न हुई । बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा गया कि वैसे सदस्य जो एसोसिएशन के प्रति निष्क्रिय है उनको आउट किया जाएगा। पुरानी कमिटी भंग करने पर सहमति जताई गई। आगामी नवम्बर में कमिटी का गठन लोकतांत्रिक प्रक्रिया से किया जाएगा। इससे पहले बरही के विधायक मनोज कुमार यादव से पत्रकार सुरक्षा कानून और प्रेस आयोग के गठन की मांग की गई, । मनोज कुमार यादव ने पत्रकारों के मांग को सदन में उठाने का अश्वासन दिया है। वहीं विधायक सुखराम उरांव और विधायक जगत मांझी से मिले।इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र ज्योतिषी, सचिव राकेश कुमार मिश्रा, मुरी से रामाकांत विश्वकर्मा,संदीप पाठक, सिल्ली से रिंकी कुमारी, तारिक अनवर,मो शामसी, दानिश हमास, अमित सिंह, राहुल कुमार, विनोद कुमार व अन्य मौजूद थे।

हाईकोर्ट ने पेसा कानून के तहत नियम बनाने पर हेमंत सरकार से मांगा जवाब, मामले की अगली सुनवाई पांच अगस्त को

रांचीः झारखंड उच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्य में पंचायत अनुसूचित क्षेत्र विस्तार (पेसा) अधिनियम, 1996 के नियमों का क्रियान्वयन नहीं होने के कारणों की जानकारी दे। यह अधिनियम अनुसूचित क्षेत्रों में खासकर प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए ग्राम सभाओं को विशेष अधिकार देता है।

मुख्य न्यायाधीश एम एस रामचंद्र राव और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की पीठ एक अवमानना ??याचिका पर सुनवाई कर रही थी, क्योंकि राज्य सरकार ने इस संबंध में अदालत के आदेश के बावजूद नियमों को लागू नहीं किया था। उच्च न्यायालय ने पिछले साल जुलाई में सरकार को नियमों के क्रियान्वयन के लिए दो महीने का समय दिया था।

हालांकि, संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिसके बाद अवमानना याचिका दायर की गई। वहीं, मामले पर अब 5 अगस्त को सुनवाई होगी। 1996 में अधिनियम लागू होने के बावजूद राज्य सरकार नियमों का मसौदा तैयार नहीं कर पाई है।

सौहार्दपूर्ण वातावरण से सशक्त होता है समाज : अनिरुद्ध सिंह

बख्तियारपुर (पटना): सामाजिक सशक्तिकरण के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण जरूरी है।

सामाजिक समरसता से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच एकता और सहयोग बढ़ता है। उक्त बातें पटना जिलांतर्गत बख्तियारपुर प्रखंड के करनौती ग्राम निवासी प्रगतिशील किसान अनिरुद्ध सिंह (सरदार जी) ने कही। उन्होंने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सभी वर्गों के लोगों की सहभागिता आवश्यक है।

श्री सिंह ने कहा कि सौहार्दपूर्ण माहौल से समाज में शांति और सुरक्षा बनी रहती है, जिससे लोगों को अपने जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का भरोसा होता है।

सामाजिक सद्भावना बढ़ती है, जिससे लोग एक दूसरे के साथ सहयोग और सहानुभूति के साथ व्यवहार करते हैं।

उन्होंने कहा कि समाज में एकता, सहयोग, सामाजिक न्याय, शांति, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। इसलिए समाज के सभी समुदायों को मिलकर सामाजिक समरसता और सौहार्दपूर्ण माहौल के लिए सहभागिता निभाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि पहले गांवों में भाईचारगी और एकता दिखती थी, लेकिन गांवों का तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण ग्रामीण परिवेश में भी बदलाव हुआ है। गांवों के लोग शहरों में नौकरी और रोजगार की तलाश में चले जाते हैं, जिससे गांवों में एकता का माहौल कम होता जा रहा है। आधुनिकीकरण और शहरीकरण के कारण लोगों की जीवनशैली में बदलाव हुआ है, जिससे पारंपरिक एकता और सामुदायिक भावना कम होती जा रही है।

गांव में आर्थिक असमानता बढ़ने से लोगों के बीच दूरी और मतभेद भी बढ़ने लगे हैं। सामाजिक परिवर्तन जैसे कि शिक्षा, मीडिया और प्रौद्योगिकी के प्रभाव से लोगों के विचार और मूल्य बदल रहे हैं, जिससे सामाजिक एकता प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विभाजन और मतभेद गांव में एकता को कम करने के मुख्य कारक हैं। वहीं, प्रशासनिक अक्षमता और बढ़ते भ्रष्टाचार से प्रशासनिक और सामाजिक ढांचे से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है। गांवों से शहरों में प्रवास और प्रवृत्ति के कारण लोगों के बीच दूरियां बढ रही है। तकनीकी परिवर्तन जैसे कि मोबाइल और इंटरनेट के कारण लोगों के बीच संचार और एकता कम होती जा रही है। इन कारणों को हमें गंभीरता से समझने की जरूरत है, तभी हम गांवों में एकता को बढ़ावा देने में सफल हो सकते हैं और स्वस्थ और समृद्ध समाज व राष्ट्र का सपना साकार हो सकता है।

मुख्य सचिव ने उपायुक्तों के साथ की जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक

संवाददाता

रांचीः हर घर नल से जल को लेकर चल रहे जल जीवन मिशन की झारखंड में वर्तमान स्थिति को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान मिशन के आड़े आ रही समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश की गई। वर्चुवल माध्यम से जुड़े तमाम जिले के उपायुक्तों को मुख्य सचिव ने मिशन के सुचारू क्रियान्वयन में लीडरशिप देने का निर्देश दिया।

अलका तिवारी ने कहा कि मिशन के कार्यों में समन्वय स्थापित करने के लिए सक्रिय सहभागिता निभायें। इसकी नियमित समीक्षा करें। इलाके के मुखिया के साथ नियमित अंतराल

पर बैठक करें। इससे इलाके की अच्छी जमीनी जानकारी मिलेगी। इस फीडबैक का उचित उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अधूरा कार्य और पूरा भुगतान का मामला सामने आने पर उसे गंभीरता से लें। उसकी जांच कराएं और समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिया कि वे जब भी किसी काम से फील्ड में जाएं, तो वहां के जल जीवन मिशन के कार्यों को जरूर देखें। उसका आकलन करें और जरूरत पड़ने पर मौके पर ही समस्या का समाधान करें। जल जीवन मिशन की सफलता के लिए सभी उपायुक्तों को दो कमिटेड इंजीनियर दिये जा रहे हैं। वे उपायुक्तों के अधीन कार्य करेंगे।

मुख्य सचिव ने कहा कि उनका टेक्निकल सेल बना कर पूरा काम लें। रोज उन्हें काम सौंपे और उसकी रिपोर्ट लें। मुख्य सचिव ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कार्यकारी एजेंसी को पांच साल तक रखरखाव की जिम्मेदारी तय है। इस कारण छोटी-मोटी समस्या के समाधान में देरी नहीं होनी चाहिये। जो एजेंसी इसमें विफल रहती है, उसके खिलाफ प्रस्ताव दें, उसका निराकरण मुख्यालय स्तर से यथाशीघ्र होगा। वहीं निर्देश दिया कि प्रशासनिक स्तर की बाधा को उपायुक्त प्राथमिकता के स्तर पर अपनी लीडरशिप में दूर कराएं। इसके अलावा उपायुक्तों को जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को पूरा कराने, पूरी हो चुकी योजना को ग्राम समिति को सुपुर्द करने का निर्देश दिया।

उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त 2019 को सभी ग्रामीण घरों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की शुरूआत हुई थी। दिसंबर 2028 तक इस योजना के तहत कार्य संपन्न करना है। इसके तहत अब तक झारखंड में 97,535 योजनाएं ली गई हैं। उनमें से 56,332 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। 24,781 योजनाएं ग्राम समिति को सुपुर्द की जा चुकी ही। बाकी बची योजनाओं को ग्राम समिति को सुपुर्द करने की कार्रवाई की जा रही है। बताते चलें कि झारखंड में 29,398 गांव हैं। उनमें से 6963 गांवों को पूर्णतः नल के जल से जोड़ा जा चुका है। झारखंड के गांवों में 62,54,059 घर हैं। उनमें से 34,42,332 घरों में नलका से पानी आपूर्ति की जा रही है।

अल्युमीनियम फैक्ट्री वर्क्स यूनियन की वार्षिक आम सभा संपन्न

कामकाज की समीक्षा व भविष्य की योजनाओं पर की गयी चर्चा

संवाददाता

मुरी : मुरी अल्युमिना क्लब में मुरी अल्युमीनियम फैक्ट्री वर्क्स यूनियन की वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता राजकिशोर महतो एवं संचालन विकास गांगुली ने किया। इस सभा में यूनियन के प्रभात कुमार ने वर्ष 2023-24 के लेखा जोखा प्रस्तुत किया एवं कामकाज की समीक्षा की और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। सभा को संबोधित करते हुए सचिव उपेन्द्र महतो ने कहा वार्षिक आमसभा किसी भी संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण

कार्यक्रम होता है। कंपनी यूनियन के मामले हो यह सदस्यों को एक साथ आने, अपने विचारों को साझा करने और संगठन के भविष्य को आकार देने का अवसर प्रदान करता है। आ४प सभी संगठन के प्रति एकजुट रहे किसी भी समस्याओं का अवगत हमें कराए हम उसे हरसंभव हल करने का प्रयास करेंगे। अध्यक्ष सुरेश महतो ने कहा कि संगठन में युवा सदस्यों को आगे आना होगा। ये कार्यक्रम से यूनियन के सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होता है, जहां वे अपने विचारों को व्यक्त कर सकते है। तत्पश्चात अध्यक्ष ने सचिव को एक सप्ताह के अंदर कार्यकारी सदस्यों का सर्व समिति से गठन करने का निर्देश दिया। इस मौके पर राज कुमार सोनार, नवल किशोर महतो,सुभाष महतो,चंदन मिश्रा, षष्ठी हजाम, मेघनाथ महतो, राजेश महतो,मो हसनेन समेत काफी संख्या मे यूनियन के सदस्य उपस्थित थे।

जल्द ही धनबाद में 12 एकड़ में बनेगा अंतरराज्यीय बस टर्मिनल

धनबादः झारखंड में कोयलांचल का हृदय स्थली कहा जाने वाला धनबाद शहर के कतरास के बाघमारा अंचल के लिलोरी मंदिर के पास जल्द ही एनएच 32 से सटे जमीन पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण होगा।

करीब 12 एकड़ जमीन पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण कार्य किया जाना है। इसे लेकर 12 एकड़ की भूमि निशुल्क उपलब्ध करा दी गयी है। अंतरराज्यीय बस टर्मिनल निर्माण ऐसे स्थान पर कराया जा रहा है, जहां से हर जगह की कनेक्टिविटी मिलेगी। जिले के कतरास के बाघमारा अंचल के लिलोरी मंदिर के पास एनएच 32 से सटे जमीन पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण होगा।

करीब 12 एकड़ जमीन पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण कार्य किया जाना है। इसे लेकर 12 एकड़ की भूमि निशुल्क उपलब्ध करा दी गयी है। अंतरराज्यीय बस टर्मिनल निर्माण ऐसे स्थान पर कराया जा रहा है, जहां से हर जगह की कनेक्टिविटी मिलेगी। जिले के कतरास के बाघमारा अंचल के लिलोरी मंदिर के पास एनएच 32 से सटे जमीन पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण होगा। राज्य सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा इस अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण कराया जायेगा। राज्य सरकार के निर्देश पर बाघमारा अंचल अधिकारी बाल किशोर महतो ने भूमि चिन्हित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों को जमीन उपलब्ध कराते हुए इसके प्रतिवेदन समर्पित कर दिया है।

महतो ने बताया कि लिलोरी मंदिर के प्रवेश द्वार के दक्षिणी दिशा में मोजा नंबर 239 खाता नंबर 312 प्लॉट नंबर 1605 के 12 एकड़ जमीन पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण कार्य किया जाना है। इसे लेकर 12 एकड़ की भूमि निशुल्क उपलब्ध करा दी गयी है। माना जा रहा है कि अंतरराज्यीय बस टर्मिनल निर्माण ऐसे स्थान पर कराया जा रहा है, जहां से हर जगह की कनेक्टिविटी मिलेगी। यहां से मात्र 4 किलोमीटर में राजगंज एनएच-2 है, जहां से एक तरफ कोलकाता तो वहीं दूसरी तरफ नई दिल्ली का सीधा मार्ग है। वहीं, धनबाद शहर के बरटांड़ बस स्टैंड से इसकी दूरी 8 लेन सड़क से महज 20 किलोमीटर है। प्रस्तावित बस टर्मिनल से बोकारो एवं पुरुलिया का सीधा संपर्क होगा।

नशे के बड़े सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत : दीपिका पांडे

मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का समापन

रांचीः मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ झारखंड में 10 जून से 26 जून तक आयोजित राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का समापन हो गया। डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में गुरुवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि नशे के बड़े सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है, ताकि समाज के ताने-बाने को नष्ट करने वाले तत्वों पर रोक लगायी जा सके। उन्होंने कहा कि आज झारखंड विकसित राज्यों की श्रेणी में कदम से कदम मिला कर चल रहा है, जहां सभी आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है. झारखंड सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी मुखर होकर खड़ा है. राज्य को नशामुक्त बनाना है, इसके लिये सभी का सहयोग जरूरी है. अफीम की खेती के खिलाफ चलाया गया व्यापक अभियान : मुख्य सचिव मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि अफीम की खेती और नशे के कारोबार ने राज्य के कई हिस्सों को अपनी चपेट में लिया है. इस बार राज्य सरकार ने तकनीक एवं बहु-विभागीय समन्वय के जरिये अफीम

की खेती का बड़े पैमाने पर नष्ट किया है. अफीम की खेती के खिलाफ चलाये गये व्यापक अभियान को उन्होंने कांप्रिहेंसिव सफलता बताया। इस वर्ष 27 हजार एकड़ में लगी अफीम की खेती नष्ट की गयी : अनुराग गुप्ता राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने जानकारी दी कि इस वर्ष 27 हजार एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया गया. उन्होंने बताया कि खूंटी जैसे संवेदनशील जिलों में स्थानीय ग्रामीणों ने भी स्वेच्छा से इस अभियान में भागीदारी की. उन्होंने ब्राउन शुगर को युवाओं के लिए घातक बताते हुए कहा कि अब सप्लाई चेन तोड़ने की दिशा में पुलिस पैडलर्स, डीलर्स और सप्लायरों पर सख्त कार्रवाई करेगी. अब तक ड्रग्स के विरुद्ध कुल 350 मामले दर्ज किये गये हैं और 318 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। नशे के खिलाफ दौड़ी राजधानी, ममता व अनूप रहे अव्वलः राजधानी रांची में जागरूकता दौड़ का आयोजन किया गया. यह मोरहाबादी मैदान से शुरू होकर, कचहरी होती हुई अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचकर समाप्त हुई। दौड़ में काफी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। दौड़ के साथ युवाओं ने नशे के खिलाफ पूरे शहर को जागरूकता का संदेश दिया। मैराथन में बालिका में ममता कुमारी ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, बालक वर्ग में अनूप उरांव अव्वल रहे. विजेता प्रतिभागियों को खेल मंत्री सुदिव्य कुमार व गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने पुरस्कृत किया। नशा एक सामाजिक अभिशाप : खेल मंत्री सुदिव्य कुमार खेल मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि नशा एक सामाजिक अभिशाप है। युवा ही झारखंड की ताकत हैं. हमें उन्हें बचाना होगा। यह अभियान केवल शुरूआत है, इसे स्थायी रूप से आगे बढ़ाया जायेगा। इस अभियान ने झारखंड में एक नयी चेतना का संचार किया है। अब जरूरत है कि इस चेतना को हर घर, हर मोहल्ला और हर युवा के मन तक पहुंचाया जाये। नशा मुक्त अभियान झारखंड में लिए बहुत जरूरी है : मनोज कुमार मौके पर पर्यटन सह खेलकूद सचिव मनोज कुमार में कहा कि नशा मुक्त अभियान झारखंड में लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिछले 14 दिनों से झारखंड के प्रत्येक जिले, प्रखंड, पंचायत, स्कूल, कॉलेजों में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, डीसी मंजूनाथ भजंत्री, खेल निदेशक शेखर जमुआर, रांची जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार, जिला के परियोजना पदाधिकारी ऋतुराज सहित जिला प्रशासन के कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

आपातकाल के 50 वर्ष होने पर सुदेश महतो ने कहा

कांग्रेस की सत्ता की भूख का परिणाम था देश में आपातकाल

संवाददाता

रांचीः आपातकाल के 50 वर्ष होने पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा कि आपातकाल कांग्रेस की सत्ता की भूख का परिणाम था। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को भारत के इतिहास में एक काला अध्याय लिखा गया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को कुचल दिया। आज जब राहुल गांधी संविधान बचाओ की बात करते हैं तो यह

हास्यास्पद लगता है।

महतो ने कहा कि आपातकाल वह दौर था जब नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीन लिया गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ताला लगा दिया गया और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया। सुदेश महतो ने इस घटना को भारतीय लोकतंत्र पर एक गहरा आघात बताया, जिसने देश की जनता को मजबूर और असहाय बना दिया। महतो ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने अपनी शक्ति को बनाए रखने के लिए लोकतंत्र की आत्मा को दबाने का प्रयास किया। प्रेस पर सेंसरशिप, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और संवैधानिक अधिकारों का हनन उस दौर की सबसे दुखद तस्वीर थी। उन्होंने कहा कि यह समय हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र कितना नाजुक हो सकता है और इसे संरक्षित करने के लिए हमें सतर्क और संगठित रहना होगा। मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि आपातकाल ने देश के युवाओं और सामान्य नागरिकों को यह सिखाया कि सत्ता का दुरुपयोग कितना खतरनाक हो सकता है। झारखंड जैसे राज्य, जहां लोग अपनी पहचान और अधिकारों के लिए लंबे समय से संघर्ष करते रहे हैं, वहां लोकतंत्र की रक्षा करना और भी महत्वपूर्ण है। महतो ने कहा कि उन्होंने आपातकाल के दौरान जेल में बंद उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष किया। झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि 1975 की थोड़ी बहुत यादें उनके जेहन में हैं, क्योंकि वह उस वक्त 7 वर्ष के थे और दुमका में आंदोलनकारियों का जुलूस निकलता देख प्रेरित होते थे। आपातकाल में उनके पिता को दुमका और मामा को रांची में बिना कारण गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने वर्तमान संदर्भ में आपातकाल से सीख लेकर लोकतंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज भी कई बार झारखंड में भी सत्ता पक्ष द्वारा जनता की आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है। ऐसी स्थिति में जनता को जागरूक और संगठित होकर अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी।

जय जगन्नाथ... के नारों के साथ 'मौसी बाड़ी' के लिए रवाना हुई भगवान की रथ यात्रा, सुरक्षा बल तैनात

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने दी रथयात्रा की शुभकामनाएं

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में भगवान जगन्नाथ, उनकी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की रथ यात्रा शुक्रवार शाम को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मौसी बाड़ी में अपने वार्षिक नौ दिवसीय प्रवास के लिए रवाना होंगे। धुर्वा स्थित जगन्नाथ मंदिर से भगवान का रथ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शाम करीब साढ़े चार बजे निकलेंगे। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रथ यात्रा के अवसर पर शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल ने एक्स पर लिखा, रथ यात्रा के पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद इस शुभ यात्रा को सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लाने वाली यात्रा बनाए। मुख्यमंत्री सोरेन ने एक्स पर लिखा, भगवान जगन्नाथ सभी को अच्छे स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद दें। रांची प्रशासन ने रथ यात्रा के दौरान हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है।

वर्ष 1691 में बरकागढ़ रियासत के ठाकुर ऐनी नाथ शाहदेव ने पुरी की तर्ज पर इस परंपरा की शुरूआत की थी। रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बृहस्पतिवार को सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस वर्ष रथ यात्रा उत्सव रांची में 27 जून से 5 जुलाई तक चलेगा। इस अवसर पर 10 दिवसीय मेला भी आयोजित किया जाएगा।

प्रशासन ने मेले के दौरान प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि सभी दुकान और स्टॉल संचालकों को आदेश का कड़ाई से पालन करने और पत्ते के बने उत्पाद, बांस की टोकरियां और कागजी सामग्री जैसे पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने को कहा गया है। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि मेले के दौरान वॉच टावर और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और प्रमुख स्थलों पर दण्डाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है। उपायुक्त ने बताया कि बिजली आपूर्ति, मोबाइल शौचालय, पेयजल, दमकल वाहन और एम्बुलेंस जैसी सभी व्यवस्था कर ली गई है।

रांची में रथयात्रा और मेला की सुरक्षा कड़ी, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी

रांचीः राजधानी रांची के जगन्नाथपुर में 27 जून से सात जुलाई तक रथयात्रा और मेला का आयोजन हो रहा है। इसकी सुरक्षा को लेकर रांची पुलिस की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। पूरे मेले की निगरानी ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से की जायेगी। इसके लिए मंदिर के नीचे स्थित निलाद्री भवन में कमांड सेंटर बनाया गया है। कमांड सेंटर में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से मिलने वाले फुटेज पर नजर रखने के लिए कई मॉनिटर लगाये गये हैं।

आईजी ने लिया सुरक्षा और तैयारियों का जायजाः बताया गया कि डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा मेले में सुरक्षा की मॉनिटरिंग करेंगे। वहीं, सिटी एसपी अजीत कुमार सुरक्षा का जायजा लेंगे। इस दौरान मेला क्षेत्र की सुरक्षा का नेतृत्व हटिया डीएसपी करेंगे। इस दौरान भीड़ और सुरक्षा के मद्देनजर रांची शहरी क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है।

छोटी-छोटी टुकड़ियों में तैनात रहेंगे पुलिसकर्मीः जिला प्रशासन ने रथयात्रा मेला की सुरक्षा में 1000 महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। इन पुलिसकर्मियों को छोटी-छोटी टुकड़ियों में बांट कर पूरे मेला क्षेत्र में तैनात किया जायेगा। हर टुकड़ी का नेतृत्व करने वाले पुलिसकर्मी के पास एक वायरलेस सेट रहेगा। किसी की भी गलत हरकत सीसीटीवी या ड्रोन कैमरे के फुटेज में दिखती है। तो निलाद्री भवन कमांड सेंटर से तत्काल वायरलेस पर सूचना प्रसारित की जायेगी। ताकि मौके पर तैनात टुकड़ी तुरंत संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई कर सके। मौसीबाड़ी के पास स्थित टीवीएस विद्यालय के कैंपस में टीयर गैस दस्ता, वज्र वाहन, फायर ब्रिगेड की गाड़ी और एंबुलेंस आदि को तैनात रखा गया है।

मेला में तैनात रहेंगे पुलिसः इधर, मेला की सुरक्षा के लिए प्रवेश द्वार से लेकर मंदिर तक कई वॉच टावर बनाये गये हैं, जहां दो से अधिक हथियार बंद जवानों को तैनात किया जायेगा। वहीं, मेला परिसर में अधिकारियों के बैठने के लिए भी स्टेज बनाया गया है। ताकि अधिकारी वहां से मेला पर नजर रख सके। मेले की सुरक्षा में जिला भर के 8 डीएसपी और 50 से अधिक इंस्पेक्टरों को तैनात किया गया है। लोगों की सुरक्षा के लिए सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

झारखंड में मानसून हुआ सक्रिय

2 जुलाई तक रोज बारिश, आज रथ यात्रा के दिन कुछ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

संवाददाता

रांचीः पिछले कुछ दिनों से झारखंड में लगातार बारिश में जनजीवन पर काफी असर पड़ा है। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में 2 जुलाई तक लगातार बारिश होगी।

आज की बात करें तो रथ यात्रा के दिन मौसम विभाग ने रांची, लोहरदगा, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, पश्चिम सिंहभूम और लातेहार जिलों में वज्रपात और भारी बारिश की आशंका जताई है। कल चतरा, कोडरमा, हजारीबाग, रामगढ़, रांची (आंशिक क्षेत्र), गुमला, सिमडेगा, खूंटी और पश्चिम सिंहभूम जिलों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 29 जून को गोड्डा, साहिबगंज, दुमका, देवघर, जामताड़ा, पाकुड़, गिरिडीह, धनबाद, कोडरमा, बोकारो, हजारीबाग और रामगढ़ जिलों में भारी बारिश की आशंका के चलते येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

मौसम विभाग ने ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। आईएमडी ने अपने पूवार्नुमान में बताया है कि राज्य के दक्षिण-पश्चिमी भाग में कहीं-कहीं पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण एवं मध्य भाग में कहीं-कहीं पर भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवाएं भी चलेंगी। 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के चलने का अनुमान है। गरज के साथ वज्रपात भी हो सकता है।

रथ मेला को लेकर रांची के ट्रैफिक रूट में बदलाव

रांचीं: राजधानी रांची में आज 27 जून से भव्य रथ मेले का शुभारंभ हो गया है। आज भोर से ही मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गयी। मेला परिसर में धीरे-धीरे लोगों की भीड़ बढ़ रही है। इधर रथ यात्रा के मद्देनजर आज से 7 जुलाई तक ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किये गये हैं। 7 जुलाई तक धुर्वा गोलचक्कार, नया सराय रोड, जेएससीए स्टेडियम रोड, और पुराना विधानसभा रोड समेत कई मार्गों पर वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। इसके अलावा कई जगहों पर रूट डायवर्ट किये गये हैं। ऐसे में आप भी जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होना चाहते हैं, तो घर से निकलने से पहले एक बार ट्रैफिक व्यवस्था जरूर देख लें।

इन मार्गों पर रहेगा वाहनों का प्रवेश वर्जितः 26 जून से 07 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से रात 12:00 बजे तक, धुर्वा गोलचक्कार, नया सराय रोड, जेएससीए स्टेडियम रोड, व पुराना विधानसभा रोड पर सभी बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

- 26 व 27 जून को धुर्वा गोलचक्कर से पुराना विधानसभा एवं प्रभात तारा मैदान से शालीमार बाजार चौक की ओर सभी सामान्य वाहनों का प्रवेश बंद।
-तिरिल मोड़ से मौसीबाड़ी गोलचक्कार, शहीद मैदान से मौसीबाड़ी गोलचक्कार तक किसी प्रकार का वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।
- प्रभात तारा तीनमुहानी से जगन्नाथपुर बाजार तक किसी भी प्रकार के वाहनों का प्रवेश नहीं होगा।

दुर्घटना को आमत्रंण देता सड़क पर बना गड्ढा

रांचीः यह रांची का बहुत ही व्यस्त सड़क है जो पुराना अरगोड़ा चौक से आईएसएम चौक पुंदाग होते हुए नयासराय से रिंग रोड के पास निकलता है। इस सड़क में पर इतना गड्ढा है कि इस सड़क पर गाड़ी चलाना खतरे से कम नहीं लगता। अंधेरे में और बरसात में तो गड्ढों का पता नहीं चलता जिससे एक्सीडेंट होने की बहुत ज्यादा सम्भावना बनी रहती है।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई–निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। **एनआईटी संख्याः** ईल/जेपी/17/2025–26, **कार्य का नामः**JP Gen-Provision of fire detection & suppression system in IIIrd floor Central Railway Hospital-Jaipur building & entire DRM office building Jaipur, **अनुमानित लागतः** ₹24354016.11, **बयाना राशिः** ₹271800/–, **निविदा खोलने की तिथिः** 05.08.2025, **नोटः ई–निविदा की अंतिम तिथि एवं समयः** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक, **ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद, **सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पताः** http://www.ireps.gov.in
737-PS/25
हमें /NWRailways NWRailways पर फॉलो करें

रांची एयरपोर्ट पर हुआ बड़े विमान हादसे का मॉक ड्रिल, क्रिएट की गयी इमरजेंसी लैंडिंग

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर कल 26 जून को विमान हादसे का मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान एयरपोर्ट के रनवे नंबर-13 के पास एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग का सीन क्रिएट किया गया। इस मॉक ड्रिल में एयरपोर्ट के अग्निशमन व बचाव दल के अलावा राज्य अग्निशमन दल, स्वास्थ्य विभाग, एयरलाइंस कंपनियों के कर्मी, सीआइएसएफ, स्थानीय पुलिस, चिकित्सा दल और अन्य आपातकालीन एजेंसियां शामिल हुईं।

विमान में लगे आग को बुझाया और घायलों को एंबुलेंस तक पहुंचाया

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के रनवे नंबर-13 के पास एक विमान की आपातकालीन लैंडिंग और दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलने के साथ मॉक ड्रिल शुरू हुआ। इमरजेंसी का सायरन बजते ही आपातकालीन एजेंसियां और बचाव दल सक्रिय हो गये। रनवे के पास एक प्रतीकात्मक हवाई जहाज को दुर्घटनाग्रस्त दिखाया गया। इसके बाद विमान में लगी आग को अग्निशमन दल ने बुझाया और यात्रियों को एंबुलेंस तक पहुंचाया गया। मॉक ड्रिल में सभी एजेंसियों ने तत्परता से अपने कार्य को अंजाम दिया।

क्यों किया जाता है मॉक ड्रिल?

मॉक ड्रिल आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को तैयार करने के लिए की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोग किसी भी आपात स्थिति जैसे कि आग, भूकंप, आतंकवादी हमले या किसी बड़ी दुर्घटना के दौरान कैसे प्रतिक्रिया करें। और लोगों को कैसे आपातकालीन परिस्थितियों से सुरक्षित बाहर निकाला जाये। मॉक ड्रिल से लोगों को यह समझने में मदद मिलती है कि आपातकालीन परिस्थितियों में उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, राँची।

अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० –10/2025–26
Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समयः– 08.07.2025 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय :– 09.07.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 09.07.2025 को अपराह्न 3.30 बजे ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा,राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, राँची।
7. निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
8. कार्यो की विवरणी:–

क	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1.	Seepage repair and Renovation of toilet and bath room & Improvement of W/S and sanitary fitting & sewerage work at 1st floor (Right Side) Girl's Hostel No-04 RIMS Bariyatu Ranchi under D.W.& S. Division Gonda, Ranchi.	1101941.00	23000.00	2500.00	30 Days
2.	Seepage repair and Renovation of toilet and bath room & Improvement of W/S and sanitary fitting & sewerage work at 2nd floor (Right Side) Girl's Hostel No-04 RIMS Bariyatu Ranchi under D.W.& S. Division Gonda, Ranchi.	1405985.00	29000.00	2500.00	30 Days
3.	Seepage repair and Renovation of toilet and bath room & Improvement of W/S and sanitary fitting & sewerage work at Ground floor (Right Side) Girl's Hostel No-04 RIMS Bariyatu Ranchi under D.W.& S. Division Gonda, Ranchi.	1487018.00	30000.00	2500.00	30 Days
4.	Seepage repair & Renovation of Staff, Sister Dr. Chamber Toilet & General Toilet and bath room (Left Side) & Improvement of W/S and sanitary fitting & sewerage work C-2 Block at Ground floor Orthopedics Department RIMS Bariyatu Ranchi under D.W.& S. Division Gonda, Ranchi.	2332241.00	47000.00	5000.00	30 Days

नियम एवं शर्तें सूचनापट् पर देखा जा सकता हैं।
कार्यपालक अभियंता
PR 356060 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 (D) पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

फिर अंतरिक्ष में दस्तक

अमेरिका के एक्सियम-4 मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिये भारतीय शुभांशु शुक्ला का रवाना होना, निश्चय ही भारत के लिए अंतरिक्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह गर्व की बात है कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में कदम रखने के 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा है। दरअसल, ह्यूस्टन स्थित एक्सियम स्पेस नामक अमेरिकी कंपनी ने यह मिशन नासा व स्पेस एक्स के साथ मिलकर शुरू किया है। इस मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ पौलेंड, हंगरी व अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री भी हैं। यूं तो अंतरिक्ष यात्रियों में कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स का नाम लिया जाता है, लेकिन वे भारतीय मूल की थीं, भारतीय नहीं। दरअसल, एक्सियम-4 का सफल प्रक्षेपण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान की पहली सीढ़ी माना जा रहा है। इस मिशन के अनुभवों से गगनयान अभियान की सफलता में मदद मिलेगी। दरअसल, गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम-4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंततः अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ। दरअसल, गगनयान के अलावा इसरो भारत के कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें वर्ष 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और किसी भारतीय को चांद पर भेजना शामिल है। एक्सियम-4 मिशन को इन्हीं महत्वाकांक्षी अभियानों की आधारशिला बताया जा रहा है। एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को जो अनुभव मिलेंगे, उसका लाभ हमारे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को कामयाब बनाने में मिलेगा, क्योंकि इसरो को अभी तक अंतरिक्ष में मानव मिशन का अनुभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में भारतीय वायुसेना के अधिकारी राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ दिन बिताए थे। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है। भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके। इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है। ये असंभव नहीं है, लेकिन अभी हमें इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। दरअसल, एक्सियम-4 मिशन इसरो के लिये अनुसंधान के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। आईएसएस पर वैज्ञानिक अध्ययन व अनुसंधान की गतिविधियों में दुनिया के लगभग तीस देश शामिल होंगे। निस्संदेह, भारत को इस स्थिति का पूरा लाभ उठाना चाहिए। ताकि भविष्य में स्वदेशी मिशनों में ये अनुभव लाभदायक साबित हो सके। उल्लेखनीय है कि शुभांशु शुक्ला समेत एक्सियम-4 की टीम बीज अंकुरण और अंतरिक्ष में पौधे किस तरह उगते हैं, पर भी अध्ययन करेगी। साथ ही यह जानने की कोशिश होगी कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण शून्य होने पर पौधे कैसे उगते हैं। साथ ही इन पौधों में धरती के पौधों से इतर कई विशेषताएं होंगी। दरअसल, इस मिशन के दौरान साठ से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किये जाने हैं। भारत के वैज्ञानिकों ने सात प्रयोगों का सुझाव दिया है। भारत पहली बार एस्ट्रो-बायोलॉजी के प्रयोग करेगा। जिसमें इसरो व नासा की भी भागीदारी होगी।

आतंक पर छद्म नीति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के क्विंगदाओ में संपन्न शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ सम्मेलन समाप्ति के बाद जारी साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना करके आतंकवाद पर भारतीय पक्ष को ही पुष्ट किया है। जिसके चलते दो दिवसीय सम्मेलन की समाप्ति पर ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी नहीं हो सकी। दरअसल,भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। रक्षामंत्री ने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद हमारी शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे। सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों को धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मारी गई। जिसकी जिम्मेदारी संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी समूह घोषित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली थी। इसके बाद भारत ने फैसला किया कि हम आतंकवाद के केंद्रों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनका मानना था कि आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए बिना एससीओ को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करनी चाहिए। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिकार में भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। लेकिन पाकिस्तान और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए हमने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाकिस्तान के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले शंघाई सहयोग संगठन ने सम्मेलन के समापन पर जारी ज्वाइंट स्टेटमेंट में पहलगाम की घटना को नजरअंदाज किया। जिससे पता चलता है कि भारत की आतंकवाद पर नई नीति को और ढंग से समझाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मेजबान चीन, एससीओ का प्रमुख संस्थापक सदस्य और उस पाक का सदाबहार मित्र है, जिसकी जमीन से पहलगाम साजिश को अंजाम दिया गया। ऐसे में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर न करना भारत की नाराजगी जाहिर करने की दिशा में सही कदम ही है। उन्होंने सदस्य देशों को स्पष्ट किया कि सीमा पार से चलाये जा रहे आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के लिये कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सदस्य देशों को उन देशों की आलोचना करने से नहीं हिचकना चाहिए जो आतंकवाद को राज्य की नीति के साधन के तौर पर इस्तेमाल करते हैं।

अमर है बंकिम चंद्र चटोपाध्याय का गीत 'वन्दे मातरम

> हम और हमारी पार्टी सत्ता के लिए बने हैं। पार्टी के सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी छोटी है। हम तो भाजपा नेता डॉ. हर्षवर्धन को अपने साथ लाकर मुख्यमंत्री का उम्मीदवार बनाना चाहते हैं, वे इसके लिए तैयार नहीं हैं (वैसे डॉ. हर्षवर्धन ने इसे पूरी तरह से निराधार बताया)। इस बातचीत के बाद सिसोदिया से अलग मिलने का मौका न मिला लेकिन बाद के घटनाक्रम ने एक बात तो साबित कर दी कि अरविंद केजरीवाल सत्ता के बिना नहीं रह सकते हैं।

कृतज्ञ राष्ट्र हर साल 27 जून को सुप्रसिद्ध साहित्यकार और पत्रकार बंकिम चंद्र चटोपाध्याय को उनकी जयंती पर याद करता है। 27 जून, 1838 को बंगाल के उत्तरी चौबीस परगना जिला अंतर्गत कंठालपाड़ा नैहाटी में जन्मे बंकिम चंद्र चटोपाध्याय गीत 'वन्दे मातरम्' अजर-अमर है। यह देश का राष्ट्रगीत है। उनका पूरा जीवन स्वत्व और स्वाभिमान जागरण अभियान के लिए समर्पित रहा। उनका हर आह्वान स्वाधीनता संघर्ष का महामंत्र बना है। वन्दे मातरम्

रमेश शर्मा

का उद्घोष सशस्त्र क्रान्तिकारियों और अहिसंक आंदोलनकारियों ने किया है। कहीं-कहीं उनकी जन्म तिथि 26 जून भी लिखी है। उनके पिता यादवचन्द्र चटोपाध्याय का परिवार संपन्न और सुसंस्कृत था । माता दुर्गा देवी भी परंपराओं के प्रति पूर्णतयः समर्पित थीं। राष्ट्र स्वाभिमान और सांस्कृतिक बोध उनके संस्कारों में था । उनकी शिक्षा हुगली कॉलेज और प्रेसीडेंसी कॉलेज में हुई। देश में जब 1857 की क्रान्ति आरंभ हुई तब वे महाविद्यालयीन छात्र थे । बीए कर रहे थे । अंग्रेजों ने क्रान्ति के दमन के लिए जो सामूहिक नरसंहार किए उनके समाचार प्रतिदिन आ रहे थे । उन्होंने क्रान्ति के कारणों को भी समझा और विफलता को भी । इस पूरी अवधि में वे मानसिक रूप से उद्वेलित तो हुए पर अपनी पढ़ाई से विचलित नहीं हुए । 1857 में ही प्रेसीडेंसी कालेज से बीए की उपाधि लेने वाले वे पहले भारतीय विद्यार्थी थे। इस कारण तत्कालीन अंग्रेज सरकार ने उनका स्वागत किया और शिक्षा पूरी होने के साथ उनकी नियुक्ति डिप्टी मजिस्ट्रेट पद पर हो गई। कुछ समय वे बंगाल सरकार में सचिव पद पर भी रहे। लेकिन उन्होंने नौकरी छोड़ दी । 1869 में वकालत पास की । और इसके साथ ही उन्होंने वैचारिक रूप से समाज जागरण का अभियान आरंभ किया । वे अतीत में हुए संघर्ष से जितने प्रभावित थे उतने ही कुछ लोगों द्वारा परिस्थितियों के समक्ष झुक कर अपना स्वत्व और स्वाभिमान खो देने की मानसिकता से भी आहत थे । इसलिए उन्होंने स्वत्व जागरण और संगठन पर जोर देने के संकल्प के साथ अपनी रचना यात्रा आरंभ की । उनकी पहली प्रकाशित रचना राजमोहन्स वाइफ थी। यह अंग्रेजी में थी। इसमें परिस्थितियों की विवशता को बहुत सावधानी से प्रस्तुत किया । बांग्ला में उनकी पहली रचना 1865 में 'दुर्गेशनंदिनी' प्रकाशित हुई । यह एक आध्यात्मिक रचना है पर इसके माध्यम से समाज की आंतरिक शक्ति से ठीक उसी प्रकार परिचित कराया गया जैसा मुगलकाल में बाबा तुलसी दास ने रामचरित मानस द्वारा जन जागरण करने का प्रयास किया था । इसी श्रृंखला में 1866 में उपन्यास कपालकुंडला प्रकाशित हुआ और 1872 में मासिक पत्रिका बंगदर्शन का भी प्रकाशन किया। इस पत्रिका के माध्यम से वे एक कुशल पत्रकार के रूप में सामने आए । अपनी इस पत्रिका में उन्होंने अपने विषवृक्ष उपन्यास को भी धारावाहिक रूप से प्रकाशित किया। जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है कि इस उपन्यास में समाज के उस स्वभाव और अदूरदर्शिता का प्रतीकात्मक वर्णन था जो भारत राष्ट्र के पतन का कारण बना । इसी प्रकार अपनी कृष्णकांतेर रचना में उन्होंने अंग्रेजी शासकों पर तीखे व्यंग्य किए । बंगाल के कांतल गांव में 07 नवम्बर, 1876 को गीत 'वन्दे मातरम्' की रचना की। जो 1882 में कालजयी उपन्यास 'आनंद मठ' पूर्ण हुआ । वन्दे मातरम् इस उपन्यास का प्रमुख अंश है । मूलरूप से वन्दे मातरम् के प्रारंभिक दो पद संस्कृत में थे, जबकि शेष गीत बांग्ला भाषा में था। वंदे मातरम् का अंग्रेजी अनुवाद सबसे पहले अरविंद घोष ने किया। यूं तो उनकी प्रत्येक रचना भारतीय समाज को जाग्रत करने वाली है पर फिर भी 'आनंदमठ' उपन्यास और इसके अंतर्गत गीत वन्दे मातरम् संघर्ष और बलिदान का महामंत्र बना । इस उपन्यास की भूमिका बंगाल में हुए संन्यासी विद्रोह से पड़ गई थी । बंगाल में संतों और संन्यासियों ने 1873 में समाज जागरण का कार्य किया था ताकि अंग्रेजी कुचक्र से राष्ट्र संस्कृति और परंपराओ की रक्षा हो सके । संतों के इस अभियान को संन्यासी विद्रोह का नाम दिया गया जिसे अंग्रेजों ने बहुत क्रूरता से दमन किया था । आनंदमठ में संन्यासियों द्वारा की गई क्रान्ति के प्रयास का वर्णन था । जब उपन्यास के रूप में यह विवरण सामने आया तो मानो पूरे समाज का राष्ट्रबोध जाग्रत हो गया । समाज अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट सामने आने लगा । तब बंगाल के सामाजिक और सार्वजनिक आयोजन में वन्दे मातरम् का घोष मानो एक परंपरा ही बन गई थी । बंकिम बाबू का अंतिम उपन्यास 1886 में सीताराम आया। इसमें सल्तनकाल के वातावरण और उसके प्रतिरोध को दशार्या गया था । उनके अन्य उपन्यासों में मृणालिनी, इंदिरा, राधारानी, कृष्णकांतेर, देवी चौधरानी और मोचीराम जीवनचरित शामिल है। उन्होंने धर्म, सामाजिक और समसामायिक विषयों पर आधारित कई निबंध और कविताएं भी लिखीं । यह उनके रचना संसार से समाज में उत्पन्न जाग्रति का ही परिणाम था कि उस कालखंड में हुए प्रत्येक आन्दोलन के प्रतिभागी उनसे प्रेरित रहे । उनके चिंतन और जीवन में भारत राष्ट्र की संस्कृति और परंपरा का आह्वान था । वे स्वतंत्रता के आदर्शों के प्रति गहराई से प्रेरित थे। पराधीनता के काल में राष्ट्रभाव जाग्रत करने की दिशा में बंकिम बाबू का योगदान सबसे बड़ा है। उन्होंने एक आदर्श सत्ता की स्थापना के लिए आवश्यक तत्वों को समाज के सामने लाने के लिए निबंध 'कृष्णचरित्र' प्रकाशित किया। जब उनका गीत वन्दे मातरम् पहली बार 1876 में बंगदर्शन समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ, तो उससे मानो पूरे देश में वैचारिक आवेग उत्पन्न हुआ । उन्होंने सनातन परंपराओं और राष्ट्र के लिए अनिवार्य आदर्शों के बीच एक अद्भुत पूरकता और सामंजस्य स्थापित किया।

वहीं हिन्दुओं के बीच फैली विभ्रम की स्थिति के बारे में मानो एक प्रकार से शोक व्यक्त किया था । उन्होंने इस बात पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया और झकझोरने का प्रयास किया । उनके इन शब्दों में "हिन्दू समाज कुमार संभव को छोड़कर स्वाइनबर्न पढ़ता है, गीता को छोड़ कर मिल को पढ़ता है । उड़ीसा की पत्थर कला को छोड़ देते हैं और साहिबों की चीनी गुड़िया को देखते हैं।" कितनी व्यथा और स्वत्व का आह्वान है इसे इन्ही शब्दों में छुपे संदेश से सहज समझा जा सकता है ।उन्होंने अपनी रचना 'धर्मशास्त्र' में देशभक्ति को सभी धर्मों से ऊपर रखा। 'लोक रहस्य' में उदारवादियों के भीख मांगने पर व्यंग्य किया और देश को अपने पैरों पर खड़ा होने पर जोर दिया । निबंध 'अमर दुर्गोत्सव' में उन्होंने विधवा विवाह, महिलाओं की स्वतंत्रता के बारे में बात की और अंधी अंग्रेजी नकल का जोरदार विरोध किया। उन्होंने अपनी मातृभूमि को अपनी मां के रूप में प्रस्तुत किया । इस प्रकार उनका पूरा जीवन भारत राष्ट्र और उसकी संस्कृति के प्रति समाज को जाग्रत करने के लिये समर्पित रहा । स्वत्व, स्वाभिमान और राष्ट्र संस्कृति जागरण का यह महानायक 08 अप्रैल 1894 को संसार से विदा हो गया । संसार से यह विदाई केवल शरीर की थी। वे और उनका व्यक्तित्व आज भी प्रत्येक भारतीय के मन में विराजे हैं।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

मीडिया का गला घोटा गया

> आपातकाल से जुड़ी खबरें सामने न आने पाए, इसके लिए इंदिरा गांधी की सरकार ने कई तरह के उपाय किए। अखबारों के दफ्तरों की बिजली काटने के अलावा सरकार ने अखबारों और पत्रिकाओं को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए उनको मिलने वाले सरकारी विज्ञापनों पर रोक लगा दी। न्यूज पेपर के ऑफिस में अधिकारियों की तैनाती कर दी गई। उनकी बिना इजाजत राजनीतिक खबरों को छापने की मंजूरी नहीं थी। आपातकाल के दौरान 3801 समाचार पत्रों के डिक्लेरेशन जब्त कर लिए गए। 327 पत्रकारों को मीसा में बंद कर दिया गया और 290 अखबारों के विज्ञापन बंद कर दिए गए। 50 से अधिक पत्रकारों और कैमरामैन की मान्यता रद्द कर दी गई।

पच्चीस जून, 1975 की वो तारीख जब आधी रात को देश में आपातकाल की घोषणा की गई। देश में आपातकाल लग चुका है इसका ऐलान खुद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रेडियो पर किया। आपातकाल की घोषणा के दो दिन के भीतर ही राजनीतिक विरोधियों और आंदोलनकारियों की गतिविधियों पर तो पहरा बिठा ही दिया गया। इस अवधि के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन की रिपोर्ट व्यापक रूप से प्रसारित और बहस की गई हैं, लेकिन इस अवधि का सबसे महत्वपूर्ण पहलू प्रेस पर सेंसरशिप थी। इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने मीडिया पर शिकंजा कसा और प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के लिए सभी प्रयास किए।

उस दौरान लोगों तक सूचना पहुंचाने का एकमात्र स्रोत अखबार और रेडियो थे। आपातकाल स्वतंत्र प्रेस

डॉ. आशीष वशिष्ठ

के लिए उस वक्त का कोरोना काल साबित हुआ। उस दौर में प्रमुख अखबारों के कार्यालय दिल्ली के जिस बहादुर शाह जफर मार्ग पर थे, वहां की बिजली काट दी गई। जो अखबार छप भी गए, उनके बंडल जब्त कर लिए गए। हॉकरों से अखबार छीन लिए गए। 28 जून 1975 को भारत में आपातकाल के दौरान सरकार विरोधी प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में केंद्र ने स्वतंत्रता के बाद मीडिया पर भी सबसे कठोर प्रेस सेंसरशिप लागू किया।

इस तरह की सेंसरशिप के खिलाफ सीमित ही सही, अपने-अपने ढंग से प्रतिरोध भी हुआ। सेंसरशिप के विरोध में 28 जून को इंडियन एक्सप्रेस, स्टेट्समैन और नई दुनिया जैसे अखबारों और हिम्मत पत्रिका ने सम्पादकीय की जगह पर ब्लैंक स्पेस (खाली जगह) छोड़ दिया। यह आपातकाल और सेंसरशिप के विरोध का ही एक तरीका था। बाद में सरकार ने पत्र-पत्रिकाओं में ब्लैंक स्पेस छोड़ने पर भी पाबंदी लगा दी। एक अखबार ने सेंसरशिप की आंखों से बचकर शोक संदेश के कॉलम में छापा-ह्यआजादी की मां और स्वतंत्रता की बेटी लोकतंत्र की 26 जून, 1975 को मृत्यु हो गई। आपातकाल से जुड़ी खबरें सामने न आने पाए, इसके लिए इंदिरा गांधी की सरकार ने कई तरह के उपाय किए। अखबारों के दफ्तरों की बिजली काटने के अलावा सरकार ने अखबारों और पत्रिकाओं को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए उनको मिलने वाले सरकारी विज्ञापनों पर रोक लगा दी। न्यूज पेपर के ऑफिस में अधिकारियों की तैनाती कर दी गई। उनकी बिना इजाजत राजनीतिक खबरों को छापने की मंजूरी नहीं थी। आपातकाल के दौरान 3801 समाचार पत्रों के डिक्लेरेशन जब्त कर लिए गए। 327 पत्रकारों को मीसा में बंद कर दिया गया और 290 अखबारों के विज्ञापन बंद कर दिए गए। 50 से अधिक पत्रकारों और कैमरामैन की मान्यता रद्द कर दी गई। हालात इस कदर बिगड़े कि टाइम और गार्जियन अखबारों के समाचार-प्रतिनिधियों को भारत से जाने के लिए कह दिया गया। रॉयटर सहित अन्य एजेंसियों के टेलेक्स और टेलीफोन कनेक्शन काट दिए गए। सरकार के आदेश के मुताबिक काम करने से मना करने पर पत्रकारों को जेल भेजा जाने लगा। जिन पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया था उनमें मशहूर पत्रकार कुलदीप नैयर और केआर मलकानी शामिल थे। इसके अलावा महात्मा गांधी के पौत्र राजमोहन गांधी के नेतृत्व में निकलने वाली साप्ताहिक पत्रिका 'हिम्मत' को कुछ आपत्तिजनक खबरें प्रकाशित करने के आरोप में जुमार्ना लगाया गया था।सरकार की ओर से प्रेस के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए। अफवाहों और आपत्तिजनक खबर को छापने की सख्त मनाही थी, जो सरकार के खिलाफ विपक्ष को भड़का सकता था। ऐसे सभी कार्टूनों, तस्वीरों और विज्ञापनों को पहले सेंसरशिप के लिए सौंपना पड़ता था, जो सेंसरशिप के दायरे में आते थे। अधिकारियों को न्यूज एजेंसियों के दफ्तरों में तैनात कर दिया गया था, ताकि ये आपत्तिजनक खबरों को उनके स्रोत पर ही दबा दें। विदेशी न्यूज एजेंसियों की आने वाली कॉपी को जांच की जाती थी। जब इंद्र कुमार गुजराल सरकार के मनोनुकूल मीडिया को नियंत्रित नहीं कर पाए तो आपातकाल के शुरूआती दिनों में उन्हें हटा कर विद्याचरण शुक्ल को नया सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनाया गया। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को भंग कर दिया गया। इतना ही नहीं आयकर, बिजली, नगर पालिका के बकाये की आड़ में अखबारों पर छापे डाले गए। बैंकों को कर्ज देने से रोका गया। इनसाइड स्टोरी ऑफ इमरजेंसी में वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर लिखते हैं- आपातकाल के दौरान दिल्ली के संपादकों की एक बैठक बुलाई और उन्हें कड़े शब्दों में कह दिया गया था कि सरकार कभी बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यह सरकार रहेगी और राज करेगी।ह्न किसी संपादकीय, लेख या कहीं और खाली जगह को भी विरोध माना जाएगा। बता दें यह तरीका अंग्रेजी राज में सेंसरशिप का विरोध करने के लिए भारतीय अखबार आमतौर पर अपनाते थे। सेंसरशिप के कारण जेपी सहित अन्य कौन-कौन नेता कब गिरफ्तार हुए, उन्हें किन-किन जेलों में रखा गया, ये खबरें समाचार पत्रों को छापने नहीं दी गईं। यहां तक कि संसद एवं न्यायालय की कार्यवाही पर भी सेंसरशिप लागू थी। संसद में अगर किसी सदस्य ने आपातकाल, प्रधानमंत्री या सेंसरशिप के खिलाफ भाषण दिया तो वह कहीं नहीं छप सकता था। सीपीएम नेता नंबूदरीपाद ने इंदिरा गांधी को पत्र लिख कर कहा था कि आजादी के आंदोलन में भी अंग्रेजों ने विरोधी नेताओं के नाम और बयान छापने पर रोक नहीं लगाई थी। न्यायालय द्वारा सरकार के विरुद्ध दिए गए निर्णयों को भी छापने की मनाही थी। हालांकि आपातकाल की ज्यादतियों के समाचार को विदेशी अखबारों में छपने से सरकार रोक नहीं पा रही थी। इंदिरा जी विदेशी पत्रकारों पर काफी नाराज थीं। लोग विश्वसनीय समाचार के लिए आकाशवाणी के बजाय बीबीसी न्यूज पर भरोसा करने लगे थे। भारत में बीबीसी के प्रमुख संवाददाता मार्क टुली को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के लिए बाध्य किया गया था। सरकार ने दि टाइम्स, लंदन, वाशिंगटन पोस्ट, लास एंजेलिस टाइम्स सहित सात विदेशी अखबारों के संवाददाताओं को भारत से निष्कासित कर दिया। दि इकोनॉमिस्ट और दि गार्जियन सहित कुछ अन्य विदेशी अखबारों के पत्रकार धमकियां मिलने के बाद स्वदेश लौट गए। 29 विदेशी पत्रकारों के भारत में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया।आपातकाल के दौरान प्रेस की स्थिति को लेकर एक श्वेत पत्र पहली अगस्त 1977 को संसद में पेश किया गया। सत्या सी पेज के श्वेतपत्र से यह स्पष्ट हुआ कि आपातकाल के दौरान प्रेस की नीति खुद तानाशाह इंदिरा गांधी ने तय की थी। तानाशाही की इच्छा रखने वाली इंदिरा गांधी ने अपनी अध्यक्षता में तय किया था कि प्रेस काउंसिल को भंग कर दिया जाए और तत्कालीन चारों समाचार एजेंसियों को मिलाकर एक कर दिया जाए, जिससे उन्हें सेंसर करने और संभालने में आसानी होगी। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने लिखा है, "प्रेस पर ऐसे कठोर अंकुश लगाने का दुष्परिणाम यह हुआ कि इंदिरा गांधी जमीनी हकीकत से काफी दूर हो गईं। जनता के बड़े वर्ग में भीतर-भीतर ऐसा आक्रोश पनपा कि जब आपातकाल हटने के बाद मार्च 1977 में संसदीय चुनाव हुए, तब लगभग पूरे उत्तर भारत से कांग्रेस का सफाया हो गया। प्रेस की आजादी छीनने की कीमत इंदिरा गांधी को अपनी सत्ता गंवा कर चुकानी पड़ी थी।"

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

आज से हुई भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत

आज यानी की 27 जून को ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की शुरूआत हो रही है। यह भव्य रथ यात्रा जगन्नाथ मंदिर से शुरू होती है और गुंडिचा मंदिर तक जाती है। धार्मिक मान्यता है कि साल में एक बार भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ गुंडिचा मंदिर अपनी मौसी के घर जाते हैं। वहीं रथ यात्रा शुरू होने से पहले हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर के सिंह द्वार पर पहुंचकर गर्भगृह में विराजमान भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के युवा रूप के दर्शन करते हैं।

बता दें कि यह रथ यात्रा कुल 12 दिनों तक चलेगी। वहीं इसकी समाप्ति 08

जुलाई 2025 को नीलाद्रि विजय के साथ होगी। इस दौरान भगवान फिर अपने मूल मंदिर में लौट आएंगे। रथ यात्रा की तैयारियां महीनों पहले से शुरूकर दी जाती हैं। इस दौरान कई धार्मिक रस्में, अनुष्ठान और विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

रस्सियों के नाम

भगवान के इन तीन रथों को खींचने वाली रस्सियों के भी नाम होते हैं। भगवान जगन्नाथ के 16 पहियों वाले रथ को 'नंदीघोष' कहा जाता है। वहीं इस रथ की रस्सी का नाम शंखाचुड़ा नाड़ी है। भगवान बलभद्र के रथ में 14 पहिए होते हैं और इसको तालध्वज कहा जाता है। इस रथ में लगी रस्सियों को बासुकी के नाम से जाना जाता है। देवी सुभद्रा के रथ में 12 पहिए होते हैं और इस रथ को दर्पदलन कहा जाता है। इसमें लगी रस्सी को स्वर्णचूड़ा नाड़ी के नाम से जाना जाता है। यह रस्सियां सिर्फ रथ खींचने का माध्यम मात्र नहीं बल्कि इनको छूना भी सौभाग्य की बात माना जाता है।

रथ यात्रा की शरूआत

स्कंद पुराण के मुताबिक एक दिन देवी सुभद्रा ने भगवान जगन्नाथ से नगर देखने की इच्छा जताई। तब भगवान जगन्नाथ और बलभद्र ने उनको रथ पर बिठाकर नगर भ्रमण कराया। इस दौरान वह अपनी मौसी गुंडिचा के घर गए और वहां पर 7 दिनों तक रुके। तभी से इस रथ यात्रा की परंपरा की शुरूआत हुई।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

जागरूकता रैली को अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दुमका : अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत भारत स्काउट एवं गाइड दुमका के पदाधिकारियों एवं सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स दुमका के गाइड्स एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने गुरुवार को शहर में एक जागरूकता रैली निकाली। जिला शिक्षा पदाधिकारी भुतनाथ रजवार एवं जिला खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्धार ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को डीसी चौक से रवाना किया। नशा मुक्त अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए रैली में उपस्थित स्काउट्स एवं गाइड्स को सम्बोधित करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी भुतनाथ रजवार ने कहा कि नशा सेवन करने से शरीर के साथ परिवार की आर्थिक स्थिति भी खोकला हो जाता है।श्री रजवार ने कहा कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास एवं जन जन की खुशहाली के लिए राष्ट्र को पूर्ण नशा मुक्त कराना होगा।कहा कि जिस परिवार के लोगों को नशा का लत लग जाता है वह पूरा परिवार बिखर जाता है।कहा कि नशा करने से जन धन दोनों की क्षति होती है। डीइओ ने कहा कि परिवार की खुशहाली एवं एवं अपने नॉनिहालो के उज्जवल भविष्य के लिए नशा को त्यागना पड़ेगा।डीइओ श्री रजवार ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान में स्वंय ब्रांड एम्बेसडर बनकर हर स्काउट गाइड समाज के लोगों को कोई भी नशा नही करने के लिए जागरूक कर सकते हैं। श्री रजवार ने नशा मुक्ति के लिए एक नारा देते हुए कहा कि हम सबका यही है सपना नशा मुक्त हो भारत अपना।मौके पर उपस्थित जिला खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्धार ने कहा कि जीवन अनमोल है इसको नशा पान करके मत गवाईये।खेल पदाधिकारी श्री पोद्धार ने कहा कि नशा का सेवन करने से हम कई गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं। कहा कि नशा करने से शारीरिक क्षमता भी कम हो जाती है।जागरूकता रैली के समापन के बाद सभी लोगों ने स्वंय नशा नही करने एवं आसपड़ोस के लोगो को नशा नही करने के लिए जागरूक करने हेतु शपथ ली। मौके पर मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी,सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स दुमका की प्रभारी प्राचार्या सुनीता टुडू,पूर्व प्रभारी प्राचार्या विभा कुमारी,शिक्षिका डोली सुमन कश्यप, पिंकी टुडू, शिक्षक तरुण कुमार पंडित,गणेश पासवान, सेवानिवृत्त शिक्षक शम्भूनाथ मिश्रा, जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार, अनुराग नन्दन,सीनियर स्काउट हरिमोहन एवं सीनियर गाइड अनुप्रिया मराण्डी के अलावे 100 गाइड्स उपस्थित थी ।

उपायुक्त ने किया कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के विद्यार्थियों को सम्मानित

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : स्व0 सिंहासन कुमारी के परिवार द्वारा स्थापित स्व0 सिंहासन कुमारी स्मृति रक्षा समिति द्वारा बालिकाओं को उत्कृष्ट शिक्षा हेतु उत्साहवर्धन के लिए दिया जाने वाला स्व0 सिंहासन कुमारी स्मृति अवॉर्ड एवं पुरस्कार काबिले तारीफ, अतुलनीय एवं हम सबके लिए प्रेणादायक है । यह अवॉर्ड एवं पुरस्कार ग्रामीण क्षेत्र के मेधावी बालिकाओं को उच्च एवं उत्कृष्ट शिक्षा ग्रहण करने के लिए उत्साहवर्धन करेगा, उक्त उदगार उपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा(भा0 प्र0 से0) ने स्व0 सिंहासन कुमारी स्मृति कोष के माध्यम से दुमका जिला के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के माध्यमिक बोर्ड परीक्षा 2025 में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली पाँच छात्राओं को सम्मानित करने पर व्यक्त की।

झारखंड शिक्षा परियोजना के पूर्व जिला जेंडर कॉर्डिनेटर स्व0 सिंहासन कुमारी के स्मृति में उपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा (भा0 प्र0 से0) एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी भुतनाथ रजवार के करकमलों से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सरैयाहाट की छात्रा शिम्पी कुमारी, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सरैयाहाट की छात्रा कुलसुम खातून एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सरैयाहाट की दो छात्रा जूली कुमारी एवं खुशी कुमारी तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय काठीकुंड की एक छात्रा रिंकी कुमारी को स्व0 सिंहासन कुमारी के परिवार द्वारा स्थापित स्व0 सिंहासन

कुमारी समृति कोष के माध्यम से पुरस्कार के रूप में क्रमशः दस हजार रुपये,आठ हजार रुपये एवं पाँच- पाँच -पाँच हजार रुपये का चेक एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित कराया गया। इस शुभ अवसर पर स्व0 सिंहासन कुमारी स्मृति रक्षा समिति द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करते हुए विद्यालय का संचालन उत्कृष्ट तरीके से करने वाली कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सरैयाहाट की वार्डन वसंती भेंगरा एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय काठीकुंड की वार्डन मिट्टू सेन नन्दी को उपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा के करकमलों से शाल प्रदान कर सम्मानित कराया गया। स्व0 सिंहासन कुमारी स्मृति कोष के माध्यम से कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के बालिकाओं को चेक एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि स्व0 सिंहासन कुमारी स्मृति पुरस्कार ग्रामीण क्षेत्र के बालिकाओं को उत्कृष्ट उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए उत्साहवर्धन करेगा। उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि अगर बालिकाओं को पारिवारिक एवं सामाजिक सकारात्मक सहयोग मिले तो बालिकाएं भी आत्मनिर्भर बनकर जीवन मे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती हैं। बालिकाएं आज सेवा के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है, जरूरत है उनको मानसिक एवं आर्थिक सपोर्ट कर उत्कृष्ट उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करने की। उपायुक्त सिन्हा ने कहा कि आज राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।मेधावी छात्राओं को सम्मानित करने के उपरांत उपायुक्त श्री सिन्हा ने उनको लक्ष्य का निर्धारण कर जीवन के हर क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए नजर आए। उपायुक्त ने पांचों छात्राओं से आगे की पढ़ाई के बारे में जानकारी ली एवं अध्ययन करने में होने वाले कठिनाइयों के बारे में उनसे पूछा।उपायुक्त ने कहा कि स्व0 सिंहासन कुमारी के परिवार द्वारा उनकी स्मृति में कोष बनाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सम्मानित कर उनके उत्थान के लिए जो प्रशंसनीय कार्य किया जा रहा है वह हमारे समाज के लिए प्रेरणादायी है। परिवार एवं समाज मे अगर इस तरह के सकरात्मक सोच वाले व्यक्ति रहेंगे तो बालिकाओं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने में काफी सहयोग मिलेगा। उपायुक्त दुमका श्री सिन्हा ने कहा कि झारखण्ड सरकार भी बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत सारी योजनाएं चला रही है। बालिकाएं इन योजनाओं का लाभ लेकर अपना सर्वांगीण विकास कर सकती है।तरक्की कर सकती हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी भुतनाथ रजवार ने छात्राओं को उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज राष्ट्र के नवनिर्माण एवं सर्वांगीण विकास में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री रजवार ने कहा कि अगर मन मे जज्बा एवं लगन हो तो जीवन मे ईमानदारी पूर्वक परिश्रम करते हुए तरक्की के बुलंदियों पर पहुँचा जा सकता है।मौके पर उपस्थित सिंहासन कुमारी के पति हरिश्चंद्र चौधरी ने कहा कि स्व0 सिंहासन कुमारी का पूरा जीवन शैक्षणिक उत्थान, खासकर बालिका शिक्षा और साक्षरता अभियान के लिए समर्पित था। स्व0 सिंहासन कुमारी स्मृति कोष के माध्यम से बालिकाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना परिवार द्वारा उनके सम्मान में छोटा सा प्रयास है। श्री हरिश्चंद्र ने बताया कि प्रत्येक वर्ष सिंहासन कुमारी स्मृति कोष के माध्यम से बालिकाओं एवं महिलाओं को पुरष्कृत कर उनकी प्रतिभा को सम्मानित किया जाता है। मौके पर हरिश्चंद्र चौधरी, वार्डन वसंती भेंगरा,मिट्टू सेन नन्दी,विजय कुमार दूबे एवं अशोक कुमार मौजूद थे।

सुजीत सरकार ने मैराथन में द्वितीय स्थान प्राप्त कर बढ़ाया जिले का मान

साहिबगंज : पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार द्वारा रांची में आयोजित जागरूकता मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में जिले के राजमहल प्रखंड अंतर्गत सुजीत सरकार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर साहेबगंज जिले का नाम पूरे राज्य में गौरवान्वित किया।राज्य स्तर पर आयोजित इस मैराथन प्रतियोगिता का उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जनजागरूकता फैलाना था। इसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से सैकड़ों प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुजीत सरकार के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए झारखंड सरकार के पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के माननीय मंत्री श्री सुदीव्य कुमार सोनू द्वारा उन्हें पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

भागा बांध मांझी मोमिन टोला में लगा100 केविए का ट्रांसफार्मर ग्रामीणों में उत्साह

साहिबगंज/बरहेट:प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गोपलाडीह पंचायत के भागा बांध मांझी मोमिन टोला में लगा100 केविए का ट्रांसफार्मर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल।क्षेत्रीय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जताया आभार एवं केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा को दिए धन्यवाद।बताते चलें कि गांव में 63 केविऐ का ट्रांसफार्मर लगाया जिससे लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती थी।लोगों ने उनकी जानकारी विद्युत कार्यालय बरहेट को दी थी।आज नया ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी झामुमो जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम जिप सदस्य जेठा मुर्मू सहित अन्य ने विधिवत रूप से फीता काटकर एवं नारियल फोड़ कर किया।मौके पर खिराम हेंब्रम,सुनीराम हांसदा,अमजेद अंसारी आवाजुद्दीन अंसारी,नजरूल अंसारी,समाद अंसारी,सूरय हांसदा सहित अन्य मौजूद थे।

जलमीनार बनने से पानी की समस्या दूर हो जाएगी

साहिबगंज/बरहेट : प्रखंड अंतर्गत बोड़बांध गांव में जिला परिषद् मद से बने जलमीनार का उद्घाटन झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी जिला संगठन सचिव छबि हेम्ब्रम जिप सदस्य जेठा मुर्मू ने संयुक्त रूप से फीता काट कर शुभ उद्घाटन किया।इसे पहले बर्नार्ड मरांडी और जेठा मुर्मू ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया की जलमीनार बनने से पानी की समस्या दूर हो जाएगी,ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार जताया और केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा को धन्यवाद दिये।साथ ही साथ श्री मरांडी ने 30 जून हुल दिवस में अधिक से अधिक लोग मशाल जुलूस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किए।मौके पर पंचायत अध्यक्ष धनय सोरेन,पंचायत सचिव इग्नाशियुश टुडू,जेम्स मरांडी,मांझी हांसदा,सुनीराम हांसदा,बलू मुर्मू,श्रीचंद मड़ैया,मनोज साह,संदीप हांसदा,तालामय टुडू,सुनीता सोरेन,धर्मेंद्र साह सहित अन्य मौजूद थे।

अनुमंडल बनाने को लेकर अनुमंडल निर्माण संघर्ष समिति ने दिया धरना

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : अनुमंडल निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले बरहरवा स्टेशन चौक काली मंदिर प्रांगण में निवर्तमान नगर अध्यक्ष श्यामल कुमार दास की अध्यक्षता में गुरुवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया ,श्यामल दास ने अपने संबोधन में बताया कि बरहरवा का अनुमंडल बनना यह सदियों से एक सपना सा रहा है और आज जब अनुमंडल बनने की बात आई तो बरहेट का नाम को आगे कर दिया गया जबकि बरहेट को अनुमंडल ना बनाकर बरहरवा या पतना में अगर अनुमंडल बनाया जाए तो यह कोटालपोखर क्षेत्र के दूर दराज गांवों से लेकर बरहरवा के दूर ग्रामीण क्षेत्र,बरहेट और पतना के ग्रामीणों के लिए भी लाभदायक होता, और बरहरवा को अनुमंडल बनने के लिए सारा अर्हता भी पूरी करती है,बरहरवा में रेल कनेक्टिविटी,रोड कनेक्टिविटी,स्कूल, कॉलेज,अस्पताल थाना, और अच्छे खासे होटल ये सभी प्रक्रियाएं को पूरा करती है,वहीं कोटालपोखर क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष बप्पी निर्मल प्रसाद ने बताया कि बरहरवा या पतना को अनुमंडल बनाने के लिए सबसे पहले यहां के सांसद विजय कुमार हांसदा और विधायिका निशात आलम और सभी राजनीति दल के नेतागण को सबसे आगे आना चाहिए, इस क्षेत्र के लोगों का विकास करना है तो बरहरवा या पतना को अनुमंडल बनाना बहुत ही जरूरी है,क्योंकि यह मध्यपोइंट भी पड़ता है ,अगर बरहरवा या पतना को अनुमंडल नहीं बनाया जाएगा तो यहाँ के लोगों का जीवन काफी कष्टदायी हो जाएगा,कोटालपोखर के किसी महिला या पुरुष को अगर अनुमंडल संबंधित कोई भी काम पड़ेगा तो बरहेट आने जाने में दिन भर का समय और मजदूर तबके के लोगों का एक दिन का दिहाड़ी भी निकल जाएगा और आने जाने में लगभग 150 से 200 प्रति व्यक्ति खर्च आएगा,आने वाले दिनों में बरहरवा या पतना को अनुमंडल नहीं बनाया जाता है तो इस प्रदर्शन को सड़क से लेकर सदन तक ले जाया जाएगा !धरना प्रदर्शन में अनेकों वक्ताओं ने बारी बारी से अपनी विभिन्न समस्याओं को बताया,इस मामला को खुद राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को यह बात संज्ञान में लेकर बरहरवा वासियों के साथ अन्याय ना करते हुए न्याय करना चाहिए !धरना प्रदर्शन में भाजपा जिला महामंत्री कुसुमाकर तिवारी,ललिता पासवान,रविन्द्र भगत,मंजू देवी,प्रदीप भगत,अनुभव भगत,शिवरतन रजवाड़, अशोक भगत,नीता देवी,गौरी देवी, आरती देवी,सीमा दास,कुकी दास,लिमा देवी,विष्णु घोष,कुंदन कुमार सिंह सहित सैकड़ी ग्रामीण शामिल रहे ।

एक ही शहर को दो अनुमंडल में बांटना न्याय संगत नहीं होगा : रामानंद

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : नगर परिषद् क्षेत्र के लगभग 21 से 28 लगभग 7 वार्ड को नवनिर्मित अनूमण्डल बरहेट में शामिल न कर साहिबगंज अनुमंण्डल के साहेबगंज अंचल में शामिल किए जाने को लेकर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रामानंद साह के नेतृत्व मे एकशिष्मंडल

उपायुक्त से मिलकर मांग पत्र सौपा.मांग पत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी भेजा है।दिए गए मांग पत्र मे नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रामानंद साह ने बताया कि समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार के अनुसार साहिबगंज जिले के अर्न्तगत बरहेट प्रखण्ड को बरहेट अनूमण्डल बनना तय है। चर्चा यह भी है कि साहिबगंज नगर परिषद् क्षेत्र के कुल लगभग 07 सात वार्ड क्रमश संख्या 21 से 28 तक को बरहेट अनुमण्डल में शामिल किया जाएगा।उन्होंने बताया की इन 07 वार्डों में गरीब,मजदूर, आदिवासी,दलित व पिछड़ी जाति के लोग अधिक है।जिन्हे अपने अनुमण्डल से संबंधित कार्यों को कराने के लिए बरहेट जाना पड़ेगाजो कि साहिबगंज मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर है।लम्बी दूरी होने के कारण लोगों को शारीरिक,मानसिक के साथ आर्थिक बोझ का अतिरिक्त भार पड़ सकता है। साथ हि जिला मुख्यालय के सभी सरकारी कार्यालय इन्ही क्षेत्र में आते हैं।जैसे कि समाहरणालय,विकास भवन, पूलिस अधीक्षक कार्यालय,खनन कार्यालय,उद्योग विभाग मण्डलकारा, व्यवहार न्यायालय,जिला शिक्षा अधीक्षक का कार्यालय,गंगा पम्प नहर, अग्नि शमन केन्द्र,बिजली विभाग सहित कई कार्यालय है।आए दिन किसी न किसी कारण से विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है ऐसी मे जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर बरहेट अनुमण्डल से विधि व्यवस्था की निगरानी करनी होगी यह कि एक हि शहर को दो अनुमण्डल में बाँटना न्याय संगत नहीं होगा।श्री साह ने उपायुक्त से कहा कि आवेदन पर विचार करते हुए नगर परिषद् क्षेत्र के 07 वार्ड को साहिबगंज अंचल में शामिल कर साहिबगंज अनुमण्डल के अन्दर रहने दिया जाए।ताकि आम लोगो को कठिनाइ?यों का सामना नहीं करना पड़े। शिष्टमंडल में सुनील सिँह,गणेश तिवारी,डब्लू ओझा,संजय पटेल,धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य लोग थे!

सिदो-कान्हू विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हुल दिवस समारोह की भव्य शुरूआत

शहीद ग्राम भोगनाडीह जा रहे पदयात्रियों का हुआ गरिमामय स्वागत

दुमका : संथाल हुल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु शहीद ग्राम भोगनाडीह की ओर पदयात्रा कर रहे सैकड़ों पदयात्रियों का गुरुवार को सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पारंपरिक और गरिमामय स्वागत किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर ने स्वयं किया। इसी कार्यक्रम के साथ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हुल दिवस समारोह की औपचारिक शुरूआत भी हो गई। गुरुवार को दोपहर 11 बजे के करीब सैकड़ों की संख्या में पदयात्री विश्वविद्यालय के आमंत्रण पर पहुंचे। विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उनका स्वागत पारंपरिक लोटा-पानी की रस्म से किया गया, जो सम्मान और पवित्रता का प्रतीक है। इसके बाद परिसर में स्थापित वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं धूपबत्ती लगाई गई। पदयात्रियों को सम्मानपूर्वक मंचस्थ किया गया एवं उन्हें संथाल गौरव और बलिदान के प्रतीक पगड़ी, टोपी और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ विश्वविद्यालय कुलगीत और कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुआ।

जामा विधानसभा क्षेत्र की झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक डॉ. लोईस मरांडी इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने हुल आंदोलन के

शहीदों को स्मरण करते हुए विश्वविद्यालय को प्रतिवर्ष पदयात्रियों का स्वागत करने हेतु आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि गोटा भारत सिदो कान्हू हुल बैसी संगठन लगातार समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहा है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा, ह्लहुल क्रांति हमें आज भी प्रेरणा देती है। ऐसे आयोजन हमें अपने इतिहास से जोड़ते हैं और युवाओं को अपने गौरवशाली अतीत से परिचित कराते हैं।ह्व उन्होंने विश्वविद्यालय को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा कि ह्लमैं इस क्षेत्र की बेटी रही हूँ और इसका विकास मेरी सदैव प्राथमिकता रही है।ह्व गोटा भारत संगठन के प्रतिनिधि गमालिएल हांसदा ने विश्वविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ह्ल105 किलोमीटर की यह पदयात्रा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से की जाती है। यह यात्रा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने, सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने और शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता लाने का माध्यम है।ह्व उन्होंने कहा कि ह्लहम आपके भाव को अपने साथ भोगनाडीह तक ले जाएंगे।ह्व

विवि के वितीय सलाहकार ब्रजनंदन ठाकुर ने कहा कि यह आयोजन 1855 के ऐतिहासिक हुल विद्रोह की स्मृति में किया गया है और सभी को शहीदों के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर ने सभी पदयात्रियों और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ह्लआपके आगमन से विश्वविद्यालय की गरिमा और संकल्प दोनों में वृद्धि हुई है। संथाल हुल केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि यह ब्रिटिश शासकों और महाजनों के अत्याचार के खिलाफ एक संगठित क्रांति थी।ह्व उन्होंने कहा कि ह्लआज हमारी जमीन, जंगल और जल अगर सुरक्षित हैं, तो वह हमारे पूर्वजों के बलिदान का ही परिणाम है।ह्व उन्होंने कहा, ह्लयदि आज भी हमारे समाज में कोई अन्याय हो रहा है, तो हमें फिर से हुल की भावना से संगठित होकर खड़ा होना होगा।ह्व कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेन्द्र यादव ने किया।

इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. सुजीत सोरेन, डॉ. पूनम हेम्ब्रम, डॉ. सुशील टुडू, डॉ. बिनोद मुर्मू, डॉ. अमित मुर्मू, मनीष जे. सोरेन, डॉ. चंपावती सोरेन, स्वेता मरांडी, सभी स्नातकोत्तर विभागाध्यक्ष एवं संथाल अकादमी के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर गोटा भारत सिदो कान्हू हुल संगठन के सैकड़ों पदयात्री, विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस गरिमामय आयोजन के साथ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हुल दिवस समारोह की शुरूआत हो चुकी है। 28 जून को विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें अंगीभूत कॉलेजों से चयनित छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। हुल दिवस का मुख्य कार्यक्रम 30 जून को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन-2 के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, विद्वान वक्ता, छात्र और समुदाय के अन्य सदस्य हिस्सा लेंगे।

न्यूजीलैंड ने ट्राई-सीरीज के लिए टीम की घोषणा की, मिल्ने और हेनरी की वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड ने आगामी टी20 ट्राई-सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका और मेजबान ज़िम्बाब्वे भी शामिल हैं। इस टीम में तेज गेंदबाज एडम मिल्ने और मैट हेनरी की वापसी हुई है। अनकैप्ड बल्लेबाज बेवन जैकब्स, जो दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज का भी हिस्सा थे, ने अपनी जगह बरकरार रखी है। 23 वर्षीय जैकब्स को एक बार फिर मौका दिया गया है और कोच का मानना है कि वे घरेलू क्रिकेट और विभिन्न फ्रेंचाइज लीग्स में अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर चुके हैं।

एडम मिल्ने नवंबर के बाद पहली बार टीम में लौटे हैं, वहीं मैट हेनरी कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। वह चोट उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान लगी थी।वहीं, तेज गेंदबाज बेन सियर्स चोट के चलते अनुपलब्ध हैं, लॉकी फर्ग्यूसन को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है और काइल जैमीसन पारिवारिक कारणों (पहले बच्चे के जन्म का इंतजार) से इस दौरे पर नहीं होंगे। डेवोन कॉनवे और मिच हे भी टीम का हिस्सा नहीं हैं, जबकि विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी टिम सिफर्ट को सौंपी गई है। कप्तान केन विलियमसन ने खुद को चयन के लिए अनुपलब्ध रखा है। यह दौरा न्यूजीलैंड के नए मुख्य कोच रॉब वॉल्टर का पहला कार्यभार होगा। उन्होंने एक बयान में कहा,₹मुझे लगता है कि हमारे पास इस दौरे के लिए एक मजबूत टीम है और मैं खिलाड़ियों के साथ काम शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा,पाकिस्तान के खिलाफ मार्च सीरीज में आईपीएल की वजह से जो खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे, उन्हें फिर से टीम में देखकर अच्छा लग रहा है। यह ट्राई सीरीज बेहतरीन होगी, दक्षिण अफ्रीका एक मजबूत टीम है और ज़िम्बाब्वे अपने घरेलू हालात में हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है। रॉब वॉल्टर ने एडम मिल्ने के अनुभव को अहम बताया और कहा कि उनकी गेंदबाजी खासकर पावरप्ले में काफी असरदार है। इसके साथ ही उन्होंने इस सीरीज को अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, ₹विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यह सीरीज हमारी तैयारी का एक महत्वपूर्ण चरण है। यह हमें विभिन्न खिलाड़ियों और संयोजनों को आजमाने का मौका देगा।

न्यूजीलैंड टीम (टी20 ट्राई-सीरीज 2025):-

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, विल ओ'रूर्क, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम

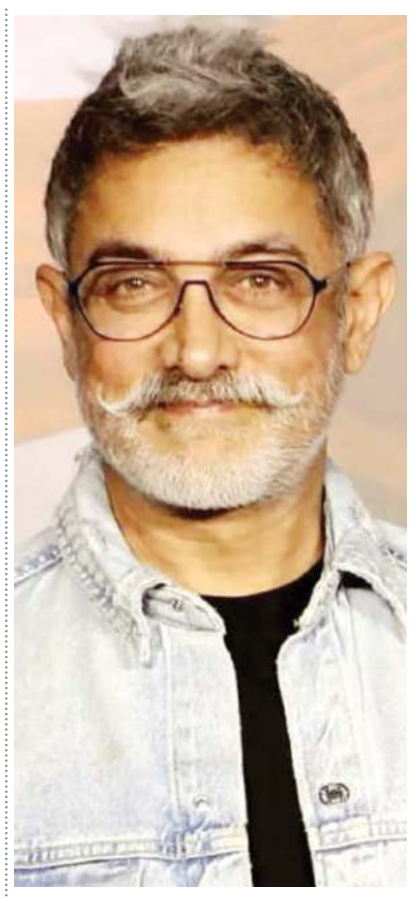

सितारे जमीन पर के बाद रजनीकांत की फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान

आमिर खान इन दिनों फिल्म सितारे जमीन पर के प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। दर्शकों को आमिर खान की फिल्म का बेस्ब्री से इंतजार है। फिल्म 20 जून को रिलीज होने वाली है। हाल ही में आमिर खान ने बताया है कि वह सितारे जमीन पर के बाद किस फिल्म में नजर आएंगे। आमिर खान ने बातचीत में बताया है कि वह रजनीकांत की फिल्म कुली में नजर आएंगे। आमिर खान ने बताया है कि वह इस फिल्म में कैमियो रोल करेंगे। आमिर खान के मुताबिक वह रजनीकांत के इतने बड़े फैन हैं कि उन्होंने स्क्रिप्ट भी नहीं पढ़ी और उस रोल के लिए हां बोल दिया। साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म एक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। आईएमडी के मुताबिक यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को रिलीज होने वाली है। पहले खबरें थीं कि इस फिल्म में आमिर खान नजर आ सकते हैं लेकिन अब आमिर खान ने खुद इस बात से पर्दा हटा दिया है।

सितारे जमीन पर के बारे में

सिनेमाघरों में आने को तैयार फिल्म सितारे जमीन पर में आमिर खान ने एक बॉस्केटबॉल कोच की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में वह 10 दिव्यांग बच्चों को बॉस्केटबॉल सिखाएंगे। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी होंगी। यह फिल्म स्पैनिश फिल्म चैंपियंस की रीमेक है। इस फिल्म से अरुष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर हिंदी सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म 20 जून को रिलीज होने वाली है। बताया जाता है कि आमिर खान इस फिल्म की रिलीज के बाद दादा साहब फाल्के की बायोपिक पर काम करेंगे।

करण जौहर ने बताया कैसे हुई कार्तिक आर्यन से सुलह

पॉपुलर फिल्ममेकर करण जौहर और कार्तिक आर्यन के बीच मतभेद दूर हो चुके हैं। हालांकि, एक समय ऐसा भी था जब करण जौहर ने कार्तिक को फिल्म दोस्ताना 2 से निकाल दिया था। साथ ही कहा था कि वो कभी साथ काम नहीं करेंगे। इस झगड़े के सालों बाद अब कार्तिक और करण जौहर फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और नागजिला में साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में हर किसी का सवाल था कि एक बड़े झगड़े के बाद दोनों की सुलह कैसे हुई। ऐसे सभी सवालों पर करण जौहर ने पहली बार खुलकर बात की है। हाल ही में बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में करण जौहर से कहा गया कि उन्हें और कार्तिक को साथ काम करते देख सरप्राइज मिला। ये कैसे हुआ। जवाब में करण जौहर ने कहा, मुझे लगता है कि हमने इंटरनली चर्चा की और इसे सुलझाया। हमने जो बातें हुईं उसे भुला दिया। कार्तिक बेहद हार्डवर्किंग है। आज के समय में वो बेहद कनेक्टिव स्टार है, जिसकी बड़ी ऑडियंस है और उसे स्क्रीनप्ले की अच्छी समझ है। हम मिले, कोलेबोरेट किया, साथ काम करने का फैसला किया। आगे करण जौहर ने कहा, सब ठीक है। उसके और मेरे, हमारे एक-दूसरे से कुछ इशू थे, लेकिन ये इंडस्ट्री बहुत छोटी है, जिसे मैं परिवार कहता हूं। और मुझे ऐसा लगता है कि परिवार में कभी-कभी गिले-शिकवे हो जाते हैं। आखिर में अच्छे लोग एक अच्छी फिल्म बनाना चाहते हैं और साथ मिलकर अच्छा कंटेंट बनाना चाहते हैं। जैसा मैंने कहा, ज्यादा बातों पर ध्यान मत दो। हमारे पास देखने के लिए बड़ा विजन है।

क्यों हुआ था झगड़ा?

दरअसल, कार्तिक आर्यन, करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 का हिस्सा थे। फिल्म की 20 दिनों की शूटिंग भी हो चुकी थी, लेकिन फिर अचानक धर्मा प्रोडक्शन ने अनाउंस कर दिया कि कार्तिक को फिल्म से हटाया जा रहा है। करण ने कार्तिक को फिल्म से

ट्रैविस हेड की जुझारू पारी से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जगाईं उम्मीदें

एजेंसी

ब्रिजटाउन : केनसिंग्टन ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार (भारतीय समयानुसार) ट्रैविस हेड की जुझारू बल्लेबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में बनाए रखा है। पिच पर तेज गेंदबाजों को लगातार मदद मिल रही है और मैच तीसरे दिन से आगे जाता नहीं दिख रहा।

पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाकर 10 रन की मामूली बढ़त हासिल की थी। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरूआत भी लड़खड़ाई और टीम ने 65 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। हालांकि ट्रैविस हेड और ब्यू वेबस्टर ने मोर्चा संभाला और स्टंप्स तक स्कोर 92/4 तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया को अब तक 82 रन की बढ़त मिल चुकी है। हेड, जिन्होंने पहली पारी में टेस्ट का एकमात्र अर्धशतक लगाया था, दूसरी पारी में रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए टिके रहे। अलजारी जोसेफ की एक गेंद उनकी बाईं ग्लव पर भी लगी, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। दिन का खेल खत्म होने तक हेड 13 रन (37 गेंदों पर) और वेबस्टर 19 रन (24 गेंदों पर) बनाकर नाबाद लौटे। पहले दिन जहां 14 विकेट गिरे थे, वहीं दूसरे दिन भी गेंदबाजों का दबदबा जारी रहा और 10 विकेट गिरे। पिच पर अब भी सीम और मूवमेंट मौजूद है जिससे तेज गेंदबाजों को काफी मदद मिल रही है।

स्कोरकार्ड:

ऑस्ट्रेलियाः 180 और 92/4 (वेबस्टर 19*, एस जोसेफ 1/15, ए जोसेफ 1/15)

वेस्टइंडीजः 190 (शाई होप 48, मिचेल स्टार्क 3/65)

ऑस्ट्रेलिया की बढ़तः 82 रन

ईशा, विदर्सा और पार्थ राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में जीते

देहरादून : ओलंपियन और मौजूदा मिक्स्ड टीम पिस्टल वर्ल्ड चैंपियन ईशा सिंह ने ग्रुप ए राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चल रहे राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स 3 और 4 के तीसरे दिन जीत हासिल की। यह ट्रायल्स उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित हो रहे हैं। ईशा ने जहां तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी3 स्पर्धा में जीत दर्ज की, वहीं केरल की विदर्सा विनोद ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) टी4 का खिताब अपने नाम किया और महाराष्ट्र के पार्थ राकेश माने ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी4 स्पर्धा में जीत हासिल की। यह दिन भारत के बेहतरीन राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के बीच कड़े मुकाबले से भरपूर रहा। ईशा ने क्वालिफिकेशन में 580 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन फाइनल के अंतिम चरणों में उन्होंने अपना दमखम दिखाते हुए महाराष्ट्र की अभिध्न्या अशोक पाटिल को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। तमिलनाडु की निवेदिता नायर तीसरे स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन में 585 का शानदार स्कोर करके टॉप करने वाली अभिध्न्या, फाइनल की सातवीं सीरीज तक पहुँची ईशा से दो अंक आगे थीं, लेकिन एषा ने अंतिम दो सीरीज में एकदम परफेक्ट प्रदर्शन करते हुए पहले पांच हिट और फिर चार हिट दर्ज किए और कुल 41 अंक के साथ विजेता बनीं। अभिध्न्या ने अंतिम तीन सीरीज में कुल 7 अंक बनाए और 36 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि निवेदिता ने नौवीं सीरीज के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए प्रतियोगिता से बाहर हुईं, उनका स्कोर 30 रहा। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी4 स्पर्धा में अंतरराष्ट्रीय स्तर की तरह क्वालिफिकेशन में आठवां स्थान पाने के लिए 630.6 अंक की आवश्यकता रही। दो बार के ओलंपियन और 3पी विशेषज्ञ ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 633.5 अंकों के साथ टॉप किया, जबकि पार्थ ने 631.9 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीगः चेन्नई बुल्स और हैदराबाद हीरोज ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

मुंबई : जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के पहले सीजन में बुधवार को चेन्नई बुल्स और हैदराबाद हीरोज ने अपने शानदार प्रदर्शन से खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया। मुंबई के शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए मुकाबलों में चेन्नई ने कालिंगा ब्लैक टाइगर्स को 40-21 से हराया, जबकि हैदराबाद ने दिल्ली रेड्ज को 40-19 के बड़े अंतर से शिकस्त दी। दिन के पहले मुकाबले में चेन्नई बुल्स ने शुरू से ही आक्रामक तेवर अपनाते हुए टाइगर्स की रक्षापंक्ति पर दबाव बना लिया। वाफौएसे मालीको ने शुरूआती लम्हों में तेज दौड़ के साथ ट्राय कर टीम को बढ़त दिलाई। टाइगर्स ने काइल ट्रेमब्ले और मैनुएली मैइसामोआ के ट्राय और मॉरिस लॉन्गबॉटम व ईथन टर्नर की कन्वर्जऩ किक्स से वापसी की कोशिश की, लेकिन चेन्नई की जवाबी रणनीति कहीं अधिक सटीक साबित हुई। चेन्नई की ओर से जोसेवा तलाकोलो और वाफौएसे मालीको ने एक के बाद एक ट्राय किए, जबकि गौरव कुमार ने सटीक कन्वर्जऩ से स्कोर को लगातार बढ़ाया। तीसरे क्वार्टर तक चेन्नई 12 अंकों की बढ़त बना चुका था। अंतिम चरण में फिलिपे साउतुरागा और अलेक्जेंडर डेविस ने ट्राय किए, जिसे कन्वर्ट कर तलाकोलो ने टीम के लिए निर्णायक बढ़त पक्की की। टाइगर्स के लिए लुकास लाकैम्प ने अंत में ट्राय जरूर किया, लेकिन तब तक चेन्नई की जीत सुनिश्चित हो चुकी थी। दूसरे मुकाबले में हैदराबाद हीरोज ने दिल्ली रेड्ज के शुरूआती आक्रामक खेल के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए 40-19 से मुकाबला अपने नाम किया। रेड्ज के जॉर्डन कॉनरॉय ने ट्राय कर टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई, लेकिन हैदराबाद की रणनीतिक पकड़ ने जल्दी ही मैच का रुख पलट दिया। जावेद हुसैन, लाउटारो वेलेज, केविन वेकेसा और वोल्फ्राम हैकर ने लगातार ट्राय कर दिल्ली की डिफेंस को बिखेर दिया। वेलेज ने कन्वर्जऩ में सटीकता दिखाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। तीसरे क्वार्टर के अंत तक हीरोज 40-5 से आगे हो चुके थे। जो?जी नासोवा के ट्राय और वेलेज की कन्वर्जऩ ने टीम के स्कोर में और इजाफा किया। अंतिम क्वार्टर में दिल्ली ने पैट्रिक ओकोंगो, माटियास ओसाद्चुक और अलेजांद्रो लाफोर्गा के जरिये कुछ अंक जोड़े, लेकिन तब तक मुकाबला हीरोज के नाम हो चुका था।

इन जीतों के साथ चेन्नई बुल्स और हैदराबाद हीरोज ने सेमीफाइनल की ओर निर्णायक कदम बढ़ा दिया है। दोनों टीमों की शानदार फॉर्म उन्हें आरपीएल सीजन 1 के खिताबी दौड़ में मजबूत दावेदार बना रही है।

डंपयार्ड में शूटिंग करके भावुक हुए धनुष

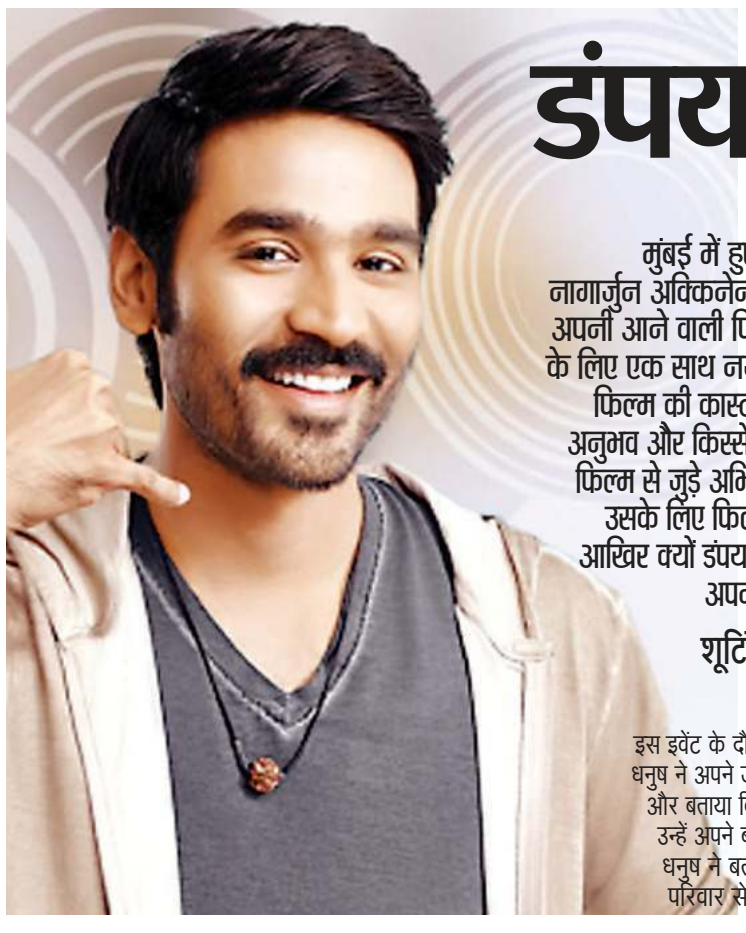

मुंबई में हुए इवेंट में एक्टर धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी और रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्म कुबेर के प्रमोशन के लिए एक साथ नजर आए। इस मौके पर फिल्म की कास्ट ने शूटिंग से जुड़े अपने अनुभव और किस्से साझा किए। इस दौरान फिल्म से जुड़े अभिनेता ने साझा किया कि उसके लिए फिल्म कितनी खास है और आखिर क्यों डंपयार्ड में शूटिंग के वक्त उसे अपना बचपन याद आ गया।

शूटिंग के वक्त बचपन की यादें ताजा हो गई

इस इवेंट के दौरान फिल्म के मुख्य अभिनेता धनुष ने अपने जीवन के सफर को याद किया और बताया कि फिल्म की शूटिंग करते हुए उन्हें अपने बचपन की यादें ताजा हो गईं। धनुष ने बताया कि वो भी एक साधारण परिवार से आते हैं और इस फिल्म की शूटिंग ने उन्हें फिर से अपनी जड़ों से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि जब वे डंपयार्ड में शूटिंग कर रहे थे, तो ऐसा लगा जैसे पुराने दिनों में लौट गए हों।

कई लोगों ने कहा था बहुत मुश्किल होगी शूटिंग

इस दौरान मजाकिया अंदाज में धनुष ने कहा, हमने 6-7 घंटे डंपयार्ड में शूटिंग की और रश्मिका बिल्कुल ठीक थीं। मैंने पूछा, रश्मिका तुम्हें कुछ महसूस नहीं हो रहा? तो रश्मिका बोलीं, मुझे तो कुछ भी महक नहीं आ रही। बहुत लोगों ने कहा था कि ये शूटिंग बहुत मुश्किल होगी, हम सब मास्क पहने थे लेकिन सच कहूं तो इतना बड़ा चैलेंज नहीं था, सब ठीक था। धनुष ने आगे कहा कि आज मैं जहां हूं, उसके लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। यह फिल्म मेरे लिए कई वजहों से खास है, क्योंकि इसने मुझे फिर से उस दुनिया से जोड़ दिया, जहां से मैं आया हूं।

धनुष ने 'कुबेर' के लिए दिल से जताया आभार

धनुष ने आगे कहा कि आमतौर पर हम अपने कम्फर्ट जोन में रहते हैं, लेकिन इस फिल्म ने मुझे फिर से वो पुराना समय दिखाया। मैं भगवान का धन्यवाद करता हूं कि आज मैं यहां हूं, लेकिन अपने बचपन की यादों में लौटना मेरे लिए बहुत खास रहा। कुबेर के लिए मैं दिल से आभारी हूं।

आमतौर पर प्रमोशन के लिए नहीं आता, लेकिन...

धनुष ने इस दौरान कहा, मैं आमतौर पर प्रमोशन के लिए नहीं आता, लेकिन कुबेर मेरे लिए बहुत खास है। इस फिल्म की कहानी और इसका अनुभव इतना अलग है कि मैं चाहता हूं ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देखें और महसूस करें। फिल्म का हर हिस्सा, हर सीन मेरे दिल के करीब है। जब आप किसी फिल्म को दिल से करते हैं, तो उसे लोगों तक पहुंचाना भी जरूरी लगता है।

भिखारी के किरदार के लिए मैंने कोई रिसर्च नहीं की

धनुष ने हंसते हुए कहा, मैंने फिल्म में भिखारी का रोल किया है। लोग सोचते हैं कि मैंने बहुत रिसर्च की होगी, लेकिन सच बताऊं तो मैंने कुछ नहीं किया। मैं बस सेट पर गया और डायरेक्टर शेखर सर के कहे अनुसार काम किया। उन्होंने सबकुछ बहुत आसान बना दिया।

धनुष ने की निर्देशक की तारीफ

धनुष ने निर्देशक शेखर कम्मुला को स्वर्ग से आया व्हाइट एंजल बताया। उन्होंने कहा कि शेखर सर बहुत अच्छे इंसान हैं। उनकी पॉजिटिव एनर्जी और ईमानदारी ने मुझे बहुत प्रभावित किया। सिर्फ 20 मिनट की कहानी सुनकर ही मैंने फिल्म के लिए हां कर दी थी।

मैं सिर्फ डायरेक्टर का कहा फॉलो करता हूं

धनुष ने अपने एक्टिंग के बारे में बताया कि लोग पूछते हैं कि मैं हर बार किरदार में कैसे ढल जाता हूं। सच कहूं तो मैं ज्यादा मेहनत नहीं करता। मेरे डायरेक्टर मुझे सबकुछ समझा देते हैं, मैं बस उनका कहा फॉलो करता हूं। असली मेहनत फिल्ममेकर्स की होती है।

न्यूज ब्रीफ

पहली ही बरसात में जवाब देने लगा फोरलेन त्रिलोकपुर में सुरंग के बाहर दरकी पहाड़ी

जवाली: पठानकोट-मंडी फोरलेन को पूरी गुणवत्ता के साथ बनाने के भले ही बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हों, लेकिन कहीं न कहीं इस निर्माण पर सवालिया निशान लग रहे हैं। बारिश की फुहारों से ही फोरलेन के किनारे की गई पहाड़ियों की कटिंग का मलबा खिसक कर गिर रहा है। कोटला के नजदीक त्रिलोकपुर सुरंग के बाहर पहाड़ी से भारी भरकम मलबा गिर गया, जिस कारण सुरंग के एक तरफ वाहनों की आवाजाही बंद हो गई। हालांकि कंपनी की पोकलेन मलबे को हटाने में जुट गई, परंतु जितना मलबा हटाया जाता रहा, उतना ही मलबा ऊपर से गिरता रहा।

शुक्रवार को भी मलबा गिरने का क्रम जारी रहा, जिस कारण सुरंग बहाल नहीं हो पाई। लोगों ने कहा कि नियमों को दरकिनार कर पहाड़ों को 45 डिग्री में काटने की बजाए 90 डिग्री में काटा गया है, जिस कारण सीधे पहाड़ एकदम से खिसक रहे हैं। ऐसे तरीके से पहाड़ों की कटिंग करने से अगर बारिश होने पर पहाड़ी का मलबा खिसक कर नीचे आता है और सडक से गुजर रहे वाहन पर गिरता है, तो कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है। अचानक से हजारों टन मलबा खिसक आता है। लोगों ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मांग की है कि इस फोरलेन का निरीक्षण किया जाए तथा नियमों को ताक पर रखकर कार्य करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

पीपीएफ में पैसा लगाने वालों को लग सकता है झटका, कम हो सकती हैं ब्याज दरें

नई दिल्ली: आरबीआई ने इस साल रेपो रेट में 100 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है, जिस वजह से ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि जुलाई में होने वाली अगली समीक्षा में पब्लिक प्रोविडेंट फंड की ब्याज दर 7% से नीचे जा सकती है।

कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि सरकारी बॉन्ड की गिरती यील्ड और ब्याज दर तय करने के फामूर्ले इस कटौती की ओर इशारा कर रहे हैं, वहीं कुछ का मानना है कि राजनीतिक और व्यवहारिक कारणों से सरकार इतनी जल्दी कोई बड़ा फैसला नहीं लेगी। अभी ढढऋकी ब्याज दर 7.10% है, जो कि 10 साल के सरकारी बॉन्ड की औसत यील्ड से जुड़ी होती है। श्यामला गोपीनाथ कमेटी के फामूर्ले के अनुसार, पीपीएफ की ब्याज दरें 10 साल के सरकारी बॉन्ड की औसत यील्ड से 25 बेसिस प्वाइंट ज्यादा होनी चाहिए। अभी यह यील्ड करीब 6.325% पर है, जिससे हिसाब लगाकर ढढऋ की दर लगभग 6.575% बनती है यानी मौजूदा दर से करीब 52.5 बेसिस प्वाइंट कम है।

इस ब्याज दर में कटौती की चर्चा आरबीआई की मौद्रिक नीति में नरम रुख के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। इस साल आरबीआई ने फरवरी और अप्रैल में 25-25 बेसिस प्वाइंट और जून में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है, जिससे रेपो रेट 6.5% से घटकर 5.5% हो गया है। इसी के साथ 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड भी जनवरी में 6.779% से घटकर जून में 6.247% हो गई है। हालांकि, सभी लोग यह नहीं मानते कि सरकार पीपीएफ की ब्याज दरों में तुरंत कटौती करेगी।

आप के दो वरिष्ठ नेताओं पर एसीबी का शिकंजा, 5590 करोड़ के घोटाले के आरोप में सौरभ-सत्येंद्र जैन पर केस दर्ज

कोलकाता: दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने आम आदमी पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं और पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ बड़ा भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि 2018-19 में दिल्ली सरकार द्वारा मंजूर किए गए स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के 24 परियोजनाओं में करोड़ों की लागत लगाई गई, लेकिन कोई भी परियोजना पूरी नहीं हुई। आरोप है कि इन परियोजनाओं में 11 ग्रीनफील्ड (नई जमीन पर निर्माण) और 13 ब्राउनफील्ड (पुरानी इमारतों का विस्तार) शामिल थे।

कुल बजट था 5,590 करोड़, लेकिन एसीबी की जांच के मुताबिक, अधिकतर निर्माण अधूरे हैं और कई को तो बीच में ही छोड़ दिया गया है। 22 अगस्त, 2024 को नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें बजट में हेरफेर, निजी कंपनियों से मिलीभगत और पारदर्शिता में बाधा डालने के आरोप लगाए गए थे। हाल ही में दिल्ली के उपराज्यपाल ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत अभियोजन की अनुमति दी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई।

शाहजहांपुर में भीषण सड़क हादसा

हाईवे पर खड़े लोगों को टैंकर ने रौंदा, तीन की मौत, चार गंभीर

शाहजहांपुर : शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा क्षेत्र में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बृहस्पतिवार रात टैंकर की टक्कर लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो लोग बाराबंकी जिले और एक रामपुर का रहने वाला था। हादसे में चार लोग घायल हुए हैं। कटरा थाना क्षेत्र में फीलनगर के पास कार में सवार छह लोगों में पांच लोग बाइक सवार दो लोगों से सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार टैंकर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। गंभीर रूप से घायल होने पर सभी को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

सीएचसी में डॉक्टर ने कार सवार योगेश कुमार कुरील (55) निवासी विकास नगर थाना कोतवाली और विवेक मिश्रा (35) निवासी आवास विकास कॉलोनी थाना कोतवाली जिला बाराबंकी और बाइक सवार मुबसर अली (40) निवासी रतनपुरा सोमाली थाना आजीवनगर जनपद रामपुर को मृत घोषित कर दिया।

तनाव कम करने के लिए भारत ने चीन को सुझाए चार विकल्प

कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर जताई खुशी

एजेंसी/किंगदाओ : चीन के किंगदाओ में एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) सम्मेलन के दौरान भारत ने चीन को संबंधों को बेहतर करने का फामूर्ला सुझाया। भारत ने सीमा पर तनाव को कम करने के लिए चीन से चार योजनाओं पर ध्यान देने के लिए कहा। साथ ही छह साल बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर खुशी जताई।

एससीओ सम्मेलन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने समकक्ष चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से मुलाकात की। इस दौरान चीन को चार फार्मूलो पर काम करने के लिए कहा गया। इसमें पहला 2024 की विघटन योजना का पालन करना, दूसरा तनाव कम करने के लिए प्रयास, तीसरा सीमाओं पर सीमांकन और परिसीमन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास और चौथा मतभेदों को दूर करने और संबंधों में सुधार के लिए नई प्रक्रियाएं तैयार करने के लिए मौजूदा विशेष प्रतिनिधि स्तर के तंत्र का उपयोग करना शामिल है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। लगभग छह वर्षों के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए यह आवश्यक है कि वे इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं को जोड़ने से बचें।

इसके अलावा उन्होंने चीनी समकक्ष को बिहार की मधुबनी पेंटिंग भेंट की। बिहार के मिथिला क्षेत्र में बनी पेंटिंग की विशेषता चमकीले रंगों और विरोधाभासों या पैटर्न से भरे रेखा चित्र हैं। ये पेंटिंग अपने आदिवासी रूपांकनों और चमकीले मिट्टी के रंगों के उपयोग के कारण लोकप्रिय हैं। रक्षा मंत्री की मुलाकात के बाद चीन ने कहा कि भारत चीन के साथ कोई टकराव नहीं चाहता है और संवाद तथा आपसी विश्वास को बढ़ा रहा है।

बिहार चुनाव में वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग पर ममता का तीखा हमला, कहा-

अब प्रमाणपत्र मांग कर रची जा रही एनआरसी जैसी साजिश

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बिहार चुनाव के नाम पर पूरे देश में एनआरसी जैसी प्रक्रिया लागू करने की तैयारी हो रही है। उन्होंने इसे देश के लोकतंत्र के लिए खतरनाक और अलार्मिंग करार दिया। ममता ने कहा कि राज्य सरकार को चुनाव आयोग से कुछ दस्तावेज प्राप्त हुए हैं, जिनमें मतदाता सूची में नाम

दर्ज कराने के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र जमा करने की बात कही गई है। यह फिलहाल बिहार में लागू किया गया है, लेकिन साफ है कि इसे देश के हर राज्य में लागू किया जाएगा। असली निशाना बंगाल है, क्योंकि वे प्रवासी मजदूरों और गरीब वोटरों से डरते हैं। सीएम ने सवाल उठाया कि गरीबों और श्रमिकों के पास अपने माता-पिता के प्रमाण पत्र कहां से आएंगे? उन्होंने इस नई प्रक्रिया की तुलना सीधे एनआरसी से की और इसे उससे भी अधिक खतरनाक बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग जानबूझकर गरीबों और युवा वोटरों का हक छीनना चाहते हैं। क्या युवा पीढ़ी को वोट देने का अधिकार नहीं है? बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बिना किसी राजनीतिक दल से चर्चा किए, एकतरफा फैसले ले रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को लगता है कि राजनीतिक दल और चुनी हुई सरकारें उनके बंधुआ मजदूर हैं। ये मानसिकता लोकतंत्र को कमजोर करती है।

बवाना में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, मौके पर दमकल की 22 गाड़ियां, धुएं का गुबार देख मची अफरातफरी

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली के बाहरी उत्तरी इलाके बवाना के सेक्टर 4 स्थित एक फैक्ट्री में शुक्रवार तड़के भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग ने तत्परता दिखाते हुए 22 फायर टेंडर मौके पर भेजे। करीब 110 दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे रहे। जानकारी के मुताबिक अभी भी आग पर पूरी तहर से काबू नहीं पाया गया है।

दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग की सूचना सुबह 4:15 बजे कंट्रोल रूम को मिली थी, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई की गई। हालांकि आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है, लेकिन पूरी तरह

बुझाने में अभी समय लग सकता है। गनीमत रही कि इस हादसे में अब तक किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है। आग के कारण आसमान में काले धुएं का गुबार फैल गया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग की एक विशेष टीम मामले की जांच में जुट गई है। दिल्ली में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी के चलते आग लगने की घटनाओं में इजाफा देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक गर्मी और लापरवाही की वजह से ऐसे हादसे बार-बार सामने आ रहे हैं।

राहुल गांधी पर प्रशांत किशोर का वार

दिल्ली में बैठकर बिहारियों का मजाक उड़ाते हैं और यहां आकर उपदेश देते हैं...

पटना: प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी ने बिहार के किसी गांव में एक रात भी बिताई है? वो दिल्ली में बैठकर बिहारियों का मजाक उड़ाते हैं और फिर यहां आकर हमें उपदेश देते हैं।

बिहार चुनाव को लेकर सियासत तेज है। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी भी जोरों-शोरों से चुनाव प्रचार कर रही है। प्रशांत किशोर भी लगातार अपने विरोधियों पर जमकर निशाना साध रहे है। वहीं, एएनआई से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी ने बिहार के किसी गांव में एक रात भी बिताई है? वो दिल्ली में बैठकर बिहारियों का मजाक उड़ाते हैं और फिर यहां आकर हमें उपदेश देते हैं। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि सीएम बनने के बाद रेवंत रेड्डी ने कहा था कि मजदूर करना बिहारियों के डीएनए में है... वो कहते हैं कि बिहारी मजदूरी करने के लिए पैदा हुए हैं और फिर बिहार में आकर उन्हें उपदेश देते हैं?... राजीव गांधी ने 1989 में गांधी मैदान से घोषणा की थी कि वो बिहार के विकास के लिए 50,000 करोड़ रुपये देंगे... वो पैसे कहां गए?... उसके बाद 15 साल तक कांग्रेस केंद्र में सत्ता में रही। तब उन्होंने बिहार के लिए क्या किया? आगामी बिहार चुनाव में कांग्रेस को कितने वोट मिलने का अनुमान है, यह पूछे जाने पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि जितना लालू जी भीख में देंगे। बिहार में कांग्रेस का कोई स्टैंड नहीं है। यह वो पार्टी है जो पिछले 25-30 सालों से लालू यादव के इशारे पर चल रही है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर राहुल गांधी में राजनीतिक हिम्मत है तो उन्हें बिहार में अपने दम पर चुनाव लड़ना चाहिए। या फिर उन्हें लालू यादव से बराबर सीटें मांगनी चाहिए।

'हिंदी' भाषा के मसले पर ठाकरे बंधु फिर एकजुट, उद्धव और राज मुंबई में करेंगे संयुक्त विरोध प्रदर्शन,5

मुंबई: अलग-थलग पड़े चचेरे भाइयों के बीच सुलह का एक बड़ा संकेत मिल रहा है। बताया जा रहा है कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) 5 जुलाई को मुंबई में एक संयुक्त मार्च निकालने जा रहे हैं। पहले योजना थी कि दोनों ही दल अलग-अलग मार्च निकालेंगे, लेकिन अब राज्य पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में दोनों ने साथ आने का फैसला किया है। दरअसल, शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की एक साथ दिखाई दे रहे हैं। संजय राउत ने लिखा, 'महाराष्ट्र के स्कूलों में अनिवार्य हिंदी के खिलाफ एक एकीकृत मार्च होगा। ठाकरे ब्रांड हैं!' सूत्रों के मुताबिक, उद्धव और राज ठाकरे दोनों गिरगांव चौपाटी से आजाद मैदान तक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। यह कदम देवेंद्र फडणवीस सरकार की ओर से कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को वैकल्पिक तीसरी भाषा के रूप में पेश करने के फैसले के बीच उठाया गया है। 'हम हिंदी के खिलाफ नहीं': शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि हम हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे जबरन लागू नहीं किया जाना चाहिए। उद्धव ठाकरे ने भी राज ठाकरे का रुख अपनाया है।

ईरान की जीत अमेरिका के मुंह पर तमाचा, इजरायल से जंग खत्म होने के बाद पहली बार बोले खामेनेई

एजेंसी/ तेहरान: ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने गुरुवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से बयान देते हुए दावा किया कि उनकी देश ने इजरायल पर जीत दर्ज की है और अमेरिका को भी करारा जवाब दिया है। उन्होंने असल में ऐसा कहा कि ईरान ने अमेरिका के मुंह पर जोरदार तमाचा मारा है। खामेनेई ने यह टिप्पणी युद्धविराम की घोषणा के बाद की, जो अमेरिका की मध्यस्थता से मंगलवार को लागू हुआ था। एक वीडियो संदेश में खामेनेई ने कहा कि इस्लामी गणराज्य विजयी रहा और बदले में अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा। उनका यह बयान उन खबरों के बाद आया, जिसमें कहा गया था कि ईरान ने कतर स्थित अमेरिका सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला किया था। हालांकि, इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई। खामेनेई ने अपने संबोधन में अमेरिका पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने दोनों देशों के बीच खुली जंग में केवल इसलिए

हस्तक्षेप किया, क्योंकि उसे लगा कि अगर उसने हस्तक्षेप नहीं किया, तो जायोनिस्ट शासन (इजरायल) पूरी तरह तबाह हो जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को इस युद्ध से कोई लाभ नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका के चेहरे पर जोरदार तमाचा मारा। खामेनेई ने ईरान के लोगों को इजरायल के खिलाफ जंग जीतने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं झूठे इजरायली सरकार पर जीत के लिए बधाई देता हूं। ईरान ने अपने हमलों से इजराइल को धराशायी कर दिया, कुचल दिया। सुप्रीम लीडर खामेनेई 13 जून को युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए थे। युद्ध की शुरूआत इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों और शीर्ष सैन्य वैज्ञानिकों और अधिकारियों पर हमले के साथ हुई थी। उसके बाद से बताया जाता है कि खामेनेई एक गुप्त स्थान पर थे।

ईरान से न्यूक्लियर डील जरूरी नहीं, पर अगले हफ्ते बातचीत होगी: अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नीदरलैंड में नाटो समिट के दौरान कहा कि ईरान ने जंग में बहादुरी दिखाई। ईरान को जंग के बाद नुकसान से उबरने के लिए ऑयल बेचने की जरूरत है। अगर चीन, ईरान से ऑयल खरीदना चाहते हैं तो हमें कोई दिक्कत नहीं है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ अब परमाणु समझौता जरूरी नहीं है, क्योंकि अमेरिका और इजरायल पहले ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के अधिकारी अगले हफ्ते बातचीत करेंगे।

भारत ने ईरान-इजरायल से अब तक 4244 भारतीय बचाए: विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को बताया कि ऑपरेशन सिंधु के तहत भारत ने ईरान और इजरायल से अब तक 4244 भारतीयों को निकाला है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ईरान में करीब 10,000 और इजरायल में लगभग 40,000 भारतीय रहते हैं। अब तक भारत ने ईरान से 3,426 भारतीय नागरिकों और 11 भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को निकाला है। इजरायल से 818 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है।

ब्लैक बॉक्स का डाटा रिकवर, अहमदाबाद प्लेन क्रैश की जांच में सफलता, अब खुलेगा हादसे का राज

अहमदाबाद: अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के विमान एआई-171 दुर्घटना की जांच में बड़ी सफलता मिली है। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने दुर्घटनाग्रस्त बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर के ब्लैक बॉक्स से डाटा निकालने में सफलता हासिल की है और जांच भी पूरी हो गई है। जल्दी ही इस हादसे की रिपोर्ट सामने आ सकती है और हादसे की वजहों का खुलासा हो सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि ब्लैक बॉक्स के क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (सीपीएम) और मेमोरी मॉड्यूल को 24 और 25 जून को दिल्ली में एएआईबी की प्रयोगशाला में सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया और डाटा डाउनलोड कर लिया गया है। विमान के कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर्स (सीवीआर) और फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर्स (एफडीआर) का डाटा लैब में निकाल लिया गया है और जल्द ही इसकी रिपोर्ट सामने आने की संभावना है।

इस रिपोर्ट में कॉकपिट से लेकर पूरे विमान के अंदर गड़बड़ियों जानकारी मिलेगी। इसके साथ ही हादसा क्यों हुआ, इसकी भी जानकारी मिल जाएगी। अब जांच एजेंसी ब्लैक बॉक्स से रिकवर हुए डाटा का विश्लेषण (एनालिसिस) करेगी। इससे हादसे के कारणों का पता चलेगा। इससे पहले 24 जून को नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने बताया था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश नहीं भेजा जा रहा। इसकी जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएबाईबी) कर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, क्रैश प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स सेट मिले हैं। इनमें हादसे के समय पायलटों की बातचीत और विमान की तकनीकी जानकारी का रिकॉर्ड मिलेगा। पहला सेट 13 जून को और दूसरा 16 जून को बरामद किया गया था।

चक्रधरपुर थाना के थाना प्रभारी सहपुलिस निरीक्षक रहे राजीव रंजन बने डीएसपी

बिनय मिश्रा : 1994 बैच के पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन का हुआ प्रमोशन और उन्हें राज्य सरकार ने प्रमोशन देते हुए डीएसपी बनाया है श्रीरंजन इस सेपूर्व चक्रधरपुर थाना के थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक थे आज राज्य सरकार ने उन्हें पदोन्नति देते हुए पुलिस निरीक्षक से डीएसपी बनाया है आज अधिसूचना जारी की गई है गौरतलबहो कि 1994 बेच के पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचानेजाते हैं तथा अपराध नियंत्रण और अनुशासन उनकी विशेष पहचान है राजीव रंजन ने चकरपुर थाना में 15 वें थाना प्रभारी सहपुलिस निरीक्षक के रूप में 21 फरवरी 2024 को योगदान दिया था तथा वह चक्रधरपुर थाना प्रभारी के रूप में 24 जून.2025 तक पदस्थापित रहे इस प्रकार से श्रीरंजन चकरपुर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक के रूप में 16 महीना तक पदस्थापित रहे और अपने बेहतर कार्य प्रणाली से बेहतर विधि व्यवस्था के साथ-साथ पुलिस और आम लोगों के बीच बेहतर समन्वय बनाने में सफल रहे थे श्रीरंजन जहां भी पदस्थापित रहे अपने बेहतर कार्य प्रणाली से उक्त थाना को बेहतर थाना बनानेऔर लोगों के बीच बेहतर कार्य प्रणाली से काफी लोकप्रिय रहे श्रीरंजन कल पश्चिम सिंहभूम जिला में डीएसपी में पदोन्नति होने के पश्चात योगदान देंगे तत्पश्चात इनकी जहां पदस्थापना होगी फिर वहां पदस्थापित किए जाएंगे।

नशा शरीर के साथ परिवार को मानसिक सामाजिक गंभीर रूप से प्रभावित करता है : अभिषेक

साहिबगंज : अंतर्राष्ट्रीय नशा उन्मूलन को लेकर आज नगर परिषद कार्यालय परिसर में नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह के नेतृत्व में नशा मुक्ति के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया.इस दौरान कार्यालय परिसर में मौजूद कर्मियों को नशा को ना और जिंदगी को हां की शपथ दिलाया.वही वह नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया गया कि नशा करने से केवल शरीर को हानि नहीं होती है।बल्कि यह शरीर के साथ साथ पारिवार को मानसिक सामाजिक गंभीर रूप से प्रभावित करता है।मौके पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह,सिटी मैनेजर बिरेश कुमार,नगर मिशन प्रबंधक प्रदीप चंद्र बोबोंगा के आलवे सभी राजस्व निरीक्षक सहित स्वयं सहायता समूह की महिला उपस्थित थी।

पलाश बहुभाषा शिक्षा कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

साहिबगंज : जिले के पुलिस लाइन में स्थित जिला शिक्षा विभाग कार्यालय के समीप जिले के सभी बीआरपी और सीआरपी को रांची से आए ट्रेनर नीरज राणा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।यह प्रशिक्षण तीन कार्यक्रम दिनों तक चलेगा।वहीं प्रशिक्षण दे रहे ट्रेनर नीरज राणा ने बताया कि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची द्वारा प्रदेश के आठ जिलों में बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम ह्यपलाशह्ल के तहत बीआरपी और सीआरपी को प्रशिक्षण देना है।आठ जिलों में साहिबगंज जिला भी शामिल है।तीन दिवसीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि शिक्षकों को गतिविधि आधारित और बाल केंद्रित शिक्षण तकनीकों से परिचित कराना है,जिससे वे कक्षा में रचनात्मक और प्रभावशाली शिक्षण कर सकें। कक्षा तीन तक के स्कूली बच्चों को घरेलू भाषा सीखते हुए राजकीय भाषा सीखें।ताकि आगे की पढ़ाई लिखाई में बच्चों को भाषा के प्रति कोई समस्या न हो।वहीं जिला शिक्षक अधीक्षक हर्ष कुमार ने भी बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम ह्यपलाशह्ल के तहत मिल रही प्रशिक्षण को लेकर कहा कि बच्चों की आधारभूत दक्षताओं को मजबूत करना है ताकि आगे की पढ़ाई में उन्हें परेशानी न हो।शिक्षा विभाग को उम्मीद है कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षक कक्षा संचालन में नवीन तरीकों का उपयोग करेंगे और बच्चों को ज्यादा प्रभावी ढंग से सिखा सकेंगे।इससे बच्चों के सर्वांगीण विकास में भी सहायता मिलेगी।मौके पर जिले के विभिन्न प्रखंडो से आये बीआरपी व सीआरपी मौजूद थे!

लूटकांड मामले में एक गिरफ्तार

साहिबगंज/उधवा : पश्चिम बंगाल के एक बाइक शोरूम में हुई लूटपाट की घटना में वहां की पुलिस ने राधानगर थाना क्षेत्र के पियारपुर गांव से एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई बुधवार देर रात को अंजाम दी गई। उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर थाना की पुलिस, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज के नेतृत्व में गठित टीम के सहयोग से पियारपुर में छापेमारी करने पहुंची। इस संयुक्त अभियान के दौरान डालिम शेख नामक युवक को हिरासत में ले लिया गया।इस्लामपुर थाना क्षेत्र में लगभग तीन दिन पहले एक बाइक शोरूम को निशाना बनाया गया था, जहां से अपराधियों ने आठ लाख रुपये नकद लूट लिए थे। पश्चिम बंगाल पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही थी और तकनीकी साक्ष्यों पर भी लगातार काम कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के विश्लेषण के आधार पर पश्चिम बंगाल पुलिस को डालिम शेख के राधानगर में छिपे होने का सुराग मिला था। इसी सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम राधानगर पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद, पश्चिम बंगाल पुलिस गुरुवार की सुबह कथित आरोपी डालिम शेख को अपने साथ लेकर पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हो गई।

नशे के खिलाफ चलाया गया जागरूकता अभियान

साहिबगंज/उधवा: झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार राज्यभर में समाज को नशे के घातक चंगुल से मुक्त करने और युवा पीढ़ी को इस दलदल में फंसने से बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को राधानगर थाना क्षेत्र में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। जहाँ पुलिस अधिकारियों और चाइल्डलाइन के टीम द्वारा जगह जगह आमजनों से मिलकर नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए इसकी रोकथाम में सक्रिय सहयोग की अपील की। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए उन्हें नशे के खिलाफ इस लड़ाई में पुलिस का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने लोगों और खासकर युवाओं से कहा नशा केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का ही दुश्मन नहीं है।

पलामू प्रमंडल के डीआईजी ने सुविधा और सुलभता के लिए उठाया कारगर कदम

बिनय मिश्रा

पलामू के चार नए थाना भवनों का कार्य पूर्ण, डीआईजी नौशाद आलम ने कहा- जल्द कराएंगे उद्घाटन इस क्रम में डीआईजी श्री

आलम रेहला, देवरी, नावाडीह कला और पाटन में भवन हस्तांतरण, बरसात से पहले व्यवस्था सुदृढ की जाएगी

पलामू जिले के चार थानों के लिए निर्मित नए भवनों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और इन्हें संबंधित थाना व ओपी प्रभारियों को विधिवत रूप से हस्तांतरित भी कर दिया गया है। जल्द ही इन भवनों का उद्घाटन कराया जाएगा। इस संबंध में पलामू के पुलिस उपमहानिरीक्षक नौशाद आलम ने बताया कि बरसात के मौसम को देखते हुए पुलिस बल को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी भवनों में

जल्द से जल्द शिफ्टिंग का कार्य भी पूर्ण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेहतर भवनों में पुलिस कर्मियों को कार्य करने का अनुकूल वातावरण मिलेगा, जिससे अपराध नियंत्रण और जनसंपर्क कार्यों में भी तेजी आएगी।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक, पलामू द्वारा पत्रांक 2870/गो० के माध्यम से पुलिस महानिरीक्षक (प्रोविजन), झारखंड रांची को सूचित किया गया है। पत्र में बताया गया है कि जिन थाना भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है, उनके नाम और हस्तांतरण की तिथि इस प्रकार हैः रेहला थाना : 30 मार्च देवरी ओपी 28 मार्च 2025

नावाडीह कला ओपी 19 अप्रैल पाटन थाना 26 जून 2025 है।

डी आई जी नौशाद आलम ने कहा कि नवनिर्मित भवनों में जल्द ही आवश्यक संसाधन, फर्नीचर व अन्य आवश्यक उपकरणों और उपस्करों की आपूर्ति की जाएगी, जिससे स्टाफ को बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि इन भवनों के उद्घाटन की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ पूरा कराया जाएगा। डीआईजी नौशाद आलम ने बताया कि वह आज इस संबंध में मुख्यालय में आयोजित बारिया अधिकारियों की बैठक में एडीजे से भी मार्गदर्शन प्राप्त किया है। पुलिस अधीक्षक पलामू ने उक्त जानकारी के साथ इस पत्र की प्रतिलिपि पुलिस महानिरीक्षक, पलामू प्रक्षेत्र पलामू क्षेत्र को भी भेजी है, ताकि समुचित जानकारी उच्चाधिकारियों को मिल सके और आगे की प्रक्रिया शीघ्र पूरी हो। गौरतलब हो कि श्री आलम इससे पूर्व कार्मिक डीआईजी के रूप में पदस्थापित थे और उनके की बेहतर कार्य और उपलब्धि के फलस्वरूप कार्मिक विभाग की सशक्त पहचान और उत्कृष्ट पहचान भी बनी जिसका श्रेय निश्चित तौर पर डीआईजी नौशाद आलम को जाता है।

स्वच्छ चक्रधरपुर स्वस्थ चक्रधरपुर के नारों को चिढ़ा रहा है क्षेत्र में फैले गंदगी

कमल केसरी

चक्रधरपुर नगर परिषद कभी तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार के बेहतर कार्य प्रणाली से पूरा शहर जगमगाता और कचरा मुक्त दिखाई पड़ता था किंतु वर्तमान समय में कार्यपालक पदाधिकारी सह प्रशासक राहुल यादव के नकारात्मक रवैया और शिथिलता के फल स्वरुप पूरे शहर में कचरा का अंबार दिखाई पड़ता है सरेआम सड़कों पर कचरा डाले जाते हैं किंतु ना तो इस ओरनगर परिषद ध्यान ही देता है ना ही इसकी सफाई व्यवस्था पर सकारात्मक कार्रवाई ही करता है इसी का यह परिणाम है कि बारिश के दिनों में पूरा कचरा सड़कों पर तैरता दिखाई पड़ता है वहीं कचरो के अंबार से पूरा क्षेत्र दुर्गंधमय रहता है आसपास के लोग इस गंदगी से परेशान हैं और नगर पालिका से गुहार लगा कर थक गए हैं किंतु सफाई व्यवस्था अब तक सुदृढ़ नहीं हो पाई है इस प्रकार

से कहां जा सकता है कि चक्रधरपुर कभी स्वच्छ शहर के रूप में ख्याति प्राप्त था किंतु वर्तमान समय में इसकी नारकीय स्थिति लोगों को खुत ब खुद नगर पालिका के कार्य प्रणाली की जानकारी दे देती है इसी के परिणाम कहा जाता है कि चक्रधरपुर नगर परिषद के प्रशासक राहुल यादव की उदासीनता का खामियाजा आज चक्रधरपुर के शहर वासी को भुगतना पड़ रहा है।

मोटरसाइकिल चालकों की हुई जांच

39 हजार जुर्माना वसूला गया

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमलाः उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमां के निदेर्शानुसार आज गुरुवार को चैनपुर चौक पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत मोटरसाइकिल चालकों की जांच एवं मार्गदर्शन अभियान चलाया गया। इस दौरान मोटरयान निरीक्षक रॉबिन अजय सिंह के नेतृत्व में एवं सड़क सुरक्षा प्रबंधक कुमार प्रभाष के सहयोग से दोपहर 12:30 बजे से 01:30 बजे तक विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया।

जांच अभियान के दौरान 25 से 30 मोटरसाइकिल चालकों को ट्रैफिक नियमों के पालन, हेलमेट पहनने, वैध दस्तावेज रखने, बीमा एवं प्रदूषण प्रमाण पत्र जैसे अनिवार्य कागजातों की अनिवार्यता के संबंध में जागरूक किया गया। सड़क सुरक्षा टीम द्वारा मौके पर रोड सेफ्टी काउंसलिंग भी की गई, जिसमें चालकों को यह बताया गया कि सुरक्षा

उपकरणों का उपयोग न केवल स्वयं की, बल्कि दूसरों की जान बचाने में भी सहायक होता है।

जांच के क्रम में वाहनों के दस्तावेजों की जांच की गई और जिन चालकों के पास आवश्यक कागजात उपलब्ध नहीं थे, उनके विरुद्ध परिवहन अधिनियम के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल ?39,000 की दंड राशि वसूली की गई।

ज्ञात हो कि बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 1000, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के 5000, बीमा रहित वाहन पर 2000, प्रदूषण प्रमाण पत्र के बिना 1000 तथा बिना वैध स्वामित्व दस्तावेज के वाहन संचालन पर ?5000 तक का जुमार्ना निर्धारित है।

इस अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु लोगों को नियमों के प्रति जागरूक करना एवं जिम्मेदार वाहन चलाने हेतु प्रोत्साहित करना था।कार्यक्रम के सफल संचालन में मोटरयान निरीक्षक रॉबिन अजय सिंह, सड़क सुरक्षा प्रबंधक श कुमार प्रभाष, मंटू रवानी, प्रिंस कुमार एवं पुलिस बल की सक्रिय भूमिका रही। रहें सतर्क, सुरक्षित यात्रा करें – नियम पालन से जीवन रक्षा संभव है।

कृषक गोष्ठी के माध्यम से किसानों को दी गई कृषि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी

दुमका : आत्मा दुमका द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत ग्राम-चांदोपानी, पंचायत-दिग्धी प्रखंड-दुमका में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कृषक गोष्ठी के माध्यम से उप परियोजना निदेशक संजय कुमार मंडल द्वारा कृषकों को धान की श्री विधि से खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि धान की श्री विधि को धान की सघनीकृत प्रणाली भी कहा जाता है।उन्होने बताया कि श्री विधि से खेती करने में कम बीज 2 किलो प्रति एकड़ बीज की आवश्यकता होती है। इस विधि में 8-14 दिनों का बिचडा का प्रयोग करना चाहिये। इस विधि से खेती करने में कम पानी खेत की मिट्टी को नमीयुक्त रखना है।इसमें कम उर्वरक की आवश्यकता होती है। श्री विधि में रोपाई के समय खेत गीला होना चाहिये या खेत में एक इंच से कम पानी की आवश्यकता होती है। इस विधि में पौधों से पौधों की दूरी 25 सेमी एवं कतार से कतार की दूरी 25 सेमी रखनी चाहिये।उन्होने बताया की बीज बोने से पूर्व बीज का बीजोपचार अवश्य कर लेना चाहिये।सबसे पहले प्रति एकड़ की दर से 2 किलो बीज ले लें।उसके बाद आधा बाल्टी पानी में नमक का घोल बनाये।उक्त घोल में बीजों को डाल दें जो खराब बीज होगा वह उपर आ जायेगा एवं स्वस्थ बीज पानी के नीचे बैठ जायेगा। इस तरह खराब बीज को अलग कर ले।अच्छे बीज को निकालकर उसे साफ पानी से 2-3 बार धो लें।जिससे नमक का अंश हट जायेगा।साफ बीज को फफूंदनाशक दवा (वैभिस्टीन) से उपचारित करना है।

थाना में आयोजित हुआ मासिक थाना दिवस

भूमि विवाद से जुड़े 76 मामलों में से 32 का हुआ त्वरित निष्पादन

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेर्शानुसार आज दिनांक 26 जून 2025 को गुमला जिले के सभी थाना क्षेत्रों में मासिक थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में संबंधित अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी तथा अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि से जुड़े विवादों और थाना स्तर की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना था।

थाना दिवस के दौरान जिलेभर में नागरिकों द्वारा भूमि से संबंधित विभिन्न प्रकार की समस्याएं दर्ज कराई गईं जिनमें प्रमुख रूप से अवैध कब्जा, अवैध दाखिल खारिज, कानूनी वारिस प्रमाण पत्र की मांग, अवैध आपसी बंटवारा, भूमि विवाद के कारण उत्पन्न आपसी तनाव, जमीन के बंटवारे से जुड़ी शिकायतें और आम रास्ते से संबंधित विवाद शामिल रहे।

आज के थाना दिवस में जिले भर से कुल 76 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 32 मामलों का निष्पादन मौके पर ही कर दिया गया जबकि शेष 44 मामलों पर संबंधित विभागों द्वारा कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन द्वारा इन लंबित मामलों के भी शीघ्र निष्पादन का आश्वासन दिया गया है।

आज प्राप्त शिकायतों की संख्या क्षेत्रवार इस प्रकार रही। गुमला थाना क्षेत्र से 7 मामले सामने आए। रायडीह से 4, चैनपुर से 3, डुमरी से 8, जारी से 2, घाघरा से 7, विशुनपुर से 6, सिसई से 9, भरनो से 16, पालकोट से 6, बसिया से 5 तथा कामडारा से 3 आवेदन प्राप्त हुए।

उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि थाना दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों का निष्पादन संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ किया जाए ताकि आम नागरिकों को त्वरित न्याय मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि अब प्रत्येक माह की 26 तारीख को सभी थाना क्षेत्रों में नियमित रूप से मासिक थाना दिवस आयोजित किया जाएगा जिससे लोगों की समस्याएं स्थानीय स्तर पर ही सुनी और सुलझाई जा सकें। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपनी भूमि या पारिवारिक विवाद से जुड़ी शिकायतों के समाधान हेतु प्रत्येक 26 तारीख को अपने नजदीकी थाना में पहुंचें और अपनी समस्याओं को साझा करें। प्रशासन द्वारा सभी शिकायतों का त्वरित एवं न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का हुआ समापन

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : राज्य सरकार द्वारा दिनांक 10 जून 2025 से 26 जून 2025 तक राज्यव्यापी निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के सफल संचालन के उपरान्त आज नगर भवन गुमला में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले के सभी महाविद्यालयों एवं विद्यालयों तथा पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकगण तथा स्कूली बच्चों उपस्थित थे। वहां उपस्थित लोगों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और उन्हें स्वयं तथा अपने आसपास के लोगों को नशे से बचाने हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमां के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक ने बताया की नशा - नशेड़ी (नशेबाज) और अवैध प्रतिबंधित नशीली दवाइयों , नशीले पदार्थो के व्यापारियों के द्वारा ही अपराध का जन्म होता हैं , अतः उन्होंने स्कूली बच्चों से अपील करते हुए कहा कि स्कूल के आसपास किसी भी तरह के मादक पदार्थ की बिक्री होने पर इसकी सूचना त्वरित अपने शिक्षक,माता पिता तथा पुलिस प्रशासन को दें यह आपकी जिम्मेवारी बनती हैं , ना नशा करें ना किसी को करने दें साथ ही साथ अच्छी संगति में रहें। बुरी संगति आपको गलत आदतों का शिकार बना देगी। इसलिए नशे को ना - जीवन को हां जैसे स्लोगन को अपने जीवन में आत्मसात कर स्वयं से इसकी शुरूआत करें। मादक पदार्थों के बढ़ते मामलों को रोकने हेतु पुलिस प्रशासन सतत प्रयासरत है।

अपर समाहर्ता शशिंद्र बड़ाईक ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जनजागरुकता अभियान के समापन के अवसर पर हम सभी यहां एकत्रित हुए हैं। इस अभियान को और आगे बढ़ाना है। केवल तय समयावधि में ही इसका प्रचार प्रसार नहीं करना अपितु हमेशा इसके विरुद्ध आमजनों, युवाओं और बच्चों को जागरूक करना है। नशा आज के युवाओं को

शारीरिक,मानसिक,आर्थिक एवं सामाजिक रूप से बर्बाद कर रहा है। इसलिए समय रहते नशे की लत को ना कहिए। आनेवाली भावी पीढ़ी को सक्षम और सशक्त बनाना है तो नशे को ना कहिए। असली हीरो वो है जो ड्रग्स को ना कहता है आइए हम सब संकल्प करें कि अपने राज्य व जिले को नशामुक्त बनाएंगे। नशे को ना कहना सीखे और अपने जीवन के असली हीरो बनें

डॉ शारिब अहमद ने बताया कि मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान का इस वर्ष वर्ष का थीम है ब्रेक द साइकिल इसके आधार पर इस वर्ष यह अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि बच्चे एक बार नशा करते हैं, फिर उसके बाद नशा उनका इस्तेमाल करने लगता। आजकल स्कूली बच्चों में यह प्रवृति बढ़ते जा रही है। नशे की शुरूआत छोटे स्तर पर होती है लेकिन यह बढ़ते बढ़ते ड्रग्स तक जा पहुंचता है। नशे की बढ़ती प्रवृति को रोकने के लिए ब्रेक द चेन तरीका कारगर है। स्वयं में यह दृढनिश्चय करें कि नशा जीवन के लिए घातक है और नशे से दूरी बना कर रखें। उन्होंने बच्चों से अपील किया कि नशा से नाता तोड़िए तभी जिंदगी से नाता जुड़ेगा वंदना स्मिता, जिला परामर्शदात्री, तंबाकू नियंत्रण* ने बताया कि स्कूली बच्चों में छोटे स्तर पर यह प्रवृति बढ़ते जा रही है। इस लत को छुड़ाना अति आवश्यक है। नशा केवल आपका नाश नहीं करता यह आपके पूरे परिवार का नाश करता है। इसलिए इन मादक पदार्थों से दूरी बनाना आज के युवाओं के लिए बहुत जरूरी है। आज के युवाओं को काउंसलिंग की जरूरत है। उन्होंने कहा खुद में बदलाव लाइए और साथ ही साथ अपने आसपास भी बदलाव करिए। जिससे समाज को नशामुक्त बनाया जा सके। उन्होंने बच्चों से अपील किया कि जिंदगी चुने,नशा नहीं

जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि भागदौड़ वाली जिंदगी में सभी मानसिक दवाब में रहते हैं। और धीरे धीरे नशे के आदि होने लगते हैं। नशा किसी भी रूप में घातक है । इसलिए इन लतों से दूर रहने का प्रयास करें। उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि नशा मादक पदार्थों के प्रति नहीं खेल के प्रति, पढ़ाई के प्रति हो

महिला बाल विकास पदाधिकारी नीलम केरकेट्टा ने बताया कि जिला बाल संरक्षण इकाई,गुमला द्वारा नशे में लिप्त बच्चों की काउंसलिंग की जाती है उन्हें संरक्षण दिया जाता है तथा निषिद्ध मादक पदार्थों से बच्चों को दूर रहने हेतु प्रेरित प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इससे शारीरिक एवं मानसिक क्षति होती है। बच्चों की निगरानी करना जरूरी है। अपने आसपास के बच्चों तथा युवाओं की गतिविधि एवं लक्षणों को चिह्नित कर उन्हें नशा से दूर किया जा सकता है।

इस कार्यशाला का मंच संचालन सामान्य शाखा पदाधिकारी सुशील खाका एवं जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार द्वारा सामूहिक रूप से किया गया ।

कार्यक्रम में अपर समाहर्ता गुमला,जिला शिक्षा अधीक्षक,गुमला ,डीएसपी गुमला, जिला नजारत उपसमाहर्ता, जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक डुमरी थाना मनोज कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सामूहिक रूप से 'नशामुक्त भारत अभियान' के तहत शपथ भी दिलाई गई।